RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 27 अंक : 209 website:www.chetnamanch.com नोएडा, शनिवार, 19 जुलाई, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

ईडी ने गूगल व मेटा पर कसा शिकंजा

नोटिस जारी कर 21 जुलाई को किया तलब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में ऑनलाइन सट्टेबाजी के बढ़ते खतरे पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अब डिजिटल दिग्गजों Google और Meta (Facebook की पैरेंट कंपनी) पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। एजेंसी ने दोनों कंपनियों को नोटिस जारी करते हुए उनके प्रतिनिधियों को 21 जुलाई को पूछताछ के लिए तलब किया है।

सूत्रों के मुताबिक ईडी का आरोप है कि गूगल और मेटा ने अवैध ऑनलाइन बेटिंग ऐप्स और वेबसाइट्स को अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर न केवल जगह दी, बल्कि इन्हें प्रमोट भी किया। यानी इन कंपनियों के प्लेटफॉर्म्स पर सट्टेबाजी से जुड़े विज्ञापन और लिंक बड़ी संख्या में देखे गए, जिससे इन गैरकानूनी गतिविधियों को बढ़ावा मिला।

यह पहला मौका है जब किसी हाई-प्रोफाइल टेक कंपनी को भारत में सट्टेबाजी जैसे अपराधों में सीधे तौर पर जवाबदेही के घेरे में लाया गया है। ईडी के इस कदम को देश में चल रहे ऑनलाइन सट्टेबाजी विरोधी अभियान का बड़ा हिस्सा माना जा रहा है। इससे पहले इसी तरह की जांच की जद में कुछ फिल्मी सितारे और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी आ चुके हैं जिन पर अब ईडी की जांच यह स्पष्ट करने की कोशिश कर रही है कि आखिर गूगल और मेटा जैसे बड़े प्लेटफॉर्म्स पर सट्टेबाजी से जुड़े विज्ञापन कैसे चलाए जा रहे हैं और क्या कंपनियों ने इससे जुड़े नियमों का पालन किया या नहीं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कार्रवाई डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की सामाजिक और कानूनी जिम्मेदारियों को लेकर आने वाले समय में नई मिसाल बन सकती है।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में ट्रक चालक की मौत

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-81 में एक दिल दहला देने वाली घटना हुई जिसने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। नोएडा के सेक्टर-81 में शुक्रवार देर रात 24 वर्षीय ट्रक चालक नासिर की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। करंट इतना तेज था कि उसका शरीर बुरी तरह झुलस गया और सिर धड़ से अलग हो गया।

जानकारी के मुताबिक, यह हादसा उस वक्त हुआ जब नासिर तिरपाल सही करने के लिए ट्रक की छत पर चढ़ा। नासिर ट्रक के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। करंट लगने से उसकी दर्दनाक मौत हो गयी। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे।

पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान राजस्थान के तिजारा क्षेत्र के ढाकपारी गांव निवासी नासिर पुत्र हमीद के रूप में हुई है। वह पेशे से ट्रक चालक था और नोएडा में माल लोडिंग के सिलसिले में आया हुआ था।

घटना की सूचना मिलते ही सेक्टर-39 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शव का पंचायतनामा भरने के बाद परिजनों को सूचना दे दी गई है।

स्कूलों के विलय के खिलाफ जनांदोलन करेगी आप : संजय सिंह

'आप' के प्रभारी ने गठबंधन धर्म का पालन न करने पर कांग्रेस पर कसा तंज

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश में शराब की दुकान खोलने में अधिक सक्रियता दिखा रही है। वहीं सरकारी स्कूलों को खत्म करने पर आमादा है। इसलिए स्कूलों का विलय करने की नीति लागू की गई है जो गरीब छात्रों के साथ सरासर अन्याय है। इसके खिलाफ आम आदमी पार्टी हर जनपद में जन आंदोलन चलाएगी। यह घोषणा की आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश के प्रभारी तथा राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने।

आज सेक्टर-29 स्थित नोएडा मीडिया क्लब में पत्रकार वार्ता के पूर्व अनौपचारिक बातचीत में उन्होंने यह जानकारी दी। संजय सिंह ने बताया कि सरकार रोजगार छीनने के अलावा गरीबों की शिक्षा भी छीनना चाहती है। यह गरीब छात्रों के साथ अन्याय है। आम आदमी पार्टी इसका जमकर विरोध करेगी तथा जगह-जगह आंदोलन करेगी।

कहा- अकेले दम पर चुनाव लड़ेगी आप

उन्होंने कहा कि अब आम आदमी पार्टी अपने दम पर ही अकेले चुनाव लड़ेगी। उन्होंने गठबंधन के मुद्दे पर कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस अपने वादे पर खरी नहीं उतरती है। दिल्ली में हुए चुनाव में कांग्रेस ने गठबंधन का धर्म नहीं निभाया।

इसी कारण आम आदमी पार्टी के साथ कांग्रेस ने भी अपना नुकसान कर दिया। दिल्ली में कांग्रेस के कारण ही भाजपा सत्तासीन हुई। इसलिए उन्होंने अब गठबंधन से किनारा कर लिया है।

6 बदमाशों पर गैंगस्टर

नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख पुलिस ने 6 बदमाशों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की है। गैंगस्टर एक्ट में निरूद्ध किए गए बदमाश संगठित गिरोह बनाकर अंतर्राज्यीय स्तर पर डकैती की घटनाओं को अंजाम देते थे।

थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि अजीत कुमार, विशाल, देवराज उर्फ लुक्का, धीरज, मोहित व संदीप कुमार के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि यह गिरोह अंतर्राज्यीय स्तर पर सक्रिय है और डकैती जैसे संगीन अपराध को अंजाम देकर अवैध धन अर्जित करता है। इस गिरोह को पुलिस ने बीते 31 जनवरी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया था। इस दौरान उनके पास से एप्पल कंपनी के पांच स्मार्टफोन, दो स्मार्ट वॉच, एक इयरबड्स तथा घटना में प्रयुक्त ग्राइंडर कटर तथा तमंचा कारतूस बरामद किए थे। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

मुठभेड़ में शातिर चोर दबोचा चोरी की बाइक व आभूषण बरामद

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। शाहबेरी में स्थित ज्वेलरी की दुकान में चोरी करने वाले चोर को पुलिस ने मुठभेड़ में लंगड़ा कर दिया। थाना बिसरख पुलिस ने बदमाश के पास से दिल्ली से चोरी की गई बाइक तथा ज्वेलरी की दुकान से चोरी किए गए आभूषण बरामद किए हैं।सेंट्रल जोन के एडीसी पर ह्रदेश कठेरिया ने बताया कि थाना प्रभारी मनोज कुमार सिंह पुलिस टीम द्वारा निराला स्टेट के पास बैरियर लगाकर वाहनों की चेकिंग **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

विभिन्न सड़क हादसों में तीन की मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थान पर हुए सड़क हादसों में हुई तीन लोगों की मौत के मामले में संबंधित थानों में मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस आरोपी वाहन चालकों की तलाश कर रही है।

थाना बिसरख क्षेत्र के व आर ग्रीन आर्च सोसाइटी में रहने वाले अनिल 26 मार्च की शाम को अपने घर से स्कूटी लेकर मार्केट के लिए निकले थे रास्ते में किसी अज्ञात वाहन चालक ने उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे उपचार के लिए उन्हें यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया गया था बीते 1 जुलाई को अनिल की उपचार के दौरान मौत हो गई। इस संबंध में उनकी पत्नी नीलम रानी ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

बिसरख थाना क्षेत्र में गौर सिटी मॉल के सामने ट्रक की टक्कर लगने से 7 जुलाई को सनी नामक **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

बीडीएस की छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में स्थित शारदा यूनिवर्सिटी के गर्ल्स हॉस्टल में बीडीएस सेकंड ईयर की छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्रा ने सुसाइड नोट में यूनिवर्सिटी के टीचर सहित अन्य पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। मृतका के परिजनों तथा छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन के विरुद्ध जमकर आक्रोश जताया। मृतका के पिता ने थाना नॉलेज पार्क में यूनिवर्सिटी के डीन सहित 6 लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है।

विवि. के डीन समेत 6 पर मुकदमा दर्ज, दो गिरफ्तार

गुड़गांव के अशोक विहार फेस-3 में रहने वाले रमेश जांगड़ा ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उनकी बेटी ज्योति शारदा यूनिवर्सिटी में बीडीएस सेकंड ईयर की छात्रा थी। ज्योति यूनिवर्सिटी के गर्ल्स हॉस्टल में रह रही थी। बीती रात्रि उन्होंने अपनी बेटी को फोन किया लेकिन उसने फोन नहीं उठाया इसके बाद उन्होंने उसकी रूममेट आयुषी गोस्वामी को फोन किया। आयुषी ने बताया कि कमरे का दरवाजा भीतर से बंद है। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

कल से मुफ्त राशन का वितरण शुरू : अभिनव सिंह

नोएडा (चेतना मंच)। पूर्ति अधिकारी गौतमबुद्धनगर अभिनव सिंह ने जनपद के समस्त अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को बताया कि माह अगस्त, 2025 के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न तथा अंत्योदय कार्डधारकों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के तहत 20 जुलाई से 10 अगस्त 2025 के मध्य खाद्यान्न का वितरण संपन्न कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि उक्त अवधि में आवश्यक वस्तुओं का वितरण प्रात: 06.00 बजे से रात्रि 09.00 बजे तक ई-पॉस मशीन के माध्यम से आधार प्रमाणीकरण के उपरांत किया जाएगा। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

जालसाजों ने बिल्डर से दो करोड़ हड़पे

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जैसे-जैसे नोएडा में ग्रेटर नोएडा में जमीन की कीमतों में इजाफा हो रहा है। वैसे ही जमीन बेचने के नाम पर ठगी के मामले भी बढ़ रहे हैं। आए दिन जालसाज लोगों को सस्ती दरों पर जमीन बेचने के नाम पर अपना शिकार बना रहे हैं। ऐसा ही एक और मामला प्रकाश में आया है। यहां दादरी रोड पर स्थित जमीन को बेचने के नाम पर जालसाजों ने एक बिल्डर से दो करोड रुपए ठग लिए। अपने साथ हुई ठगी की शिकायत बिल्डर ने पुलिस से की। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई इसके बाद उसने न्यायालय में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए प्रार्थना पत्र दिया।

न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र में सेक्टर-47 निवासी शिवांग ढाका ने बताया कि वह अपनी कंपनी मैसेज अर्थव इंफ्रास्ट्रक्चर के

अदालती आदेश पर 6 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

द्वारा जमीन खरीद फरोख्त का कार्य करता है। मई 2023 में तुस्याना गांव के पूर्व प्रधान रविंद्र भाटी, अजीत चौहान, बच्चन सिंह व सरीन फॉर्म मंदिर के पुजारी ने उसे सरीन फॉर्म पर बुलाया। यहां इन लोगों ने उसकी मुलाकात सुरेश कुमार सरीन, सचिन सरीन से कराई। इन लोगों ने बताया कि सुरेश कुमार सरीन की एक भूमि दादरी में रोड सेक्टर-47 में है जिसे वह बेचना चाहता है। बातचीत के दौरान सभी लोगों ने बताया कि उक्त जमीन से संबंधित एक वाद उच्च न्यायालय इलाहाबाद में लंबित है जो उनके हक में तय होना निश्चित है। इसके बाद उक्त भूमि फ्री होल्ड हो जाएगी और उसे जमीन की कीमत बहुत ज्यादा हो जाएगी। इन लोगों की बातों में आकर उसने उक्त जमीन का सौदा 31 करोड रुपए में कर लिया। बयाना के तौर पर उसने 500000 रूपये नगद में 45 लाख रुपए **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

दोनों महाप्रबंधकों को मिली सिविल तथा जनस्वास्थ्य विभाग की आधी-आधी जिम्मेदारी

नोएडा (चेतना मंच)। पिछले करीब 3 वर्षों से रिक्त चल रहे महाप्रबंधक (सिविल) के पद पर अशोक कुमार अरोडा की तैनाती होने के बाद सिविल विभाग का कार्य दो महा प्रबंधकों के बीच बांट दिया गया। वहीं डीजीएम के पद पर विजय रावल पूर्व की तरह सभी वर्क सर्किल की जिम्मेदारी निभाते रहेंगे।

नई व्यवस्था के तहत सिविल के अलावा जनस्वास्थ्य का कार्य भी दो महाप्रबंधकों के बीच बांट दिया गया। नये महा प्रबंधक (सिविल) अशोक कुमार अरोडा वर्क सर्किल 6-10 तक की जिम्मेदारी देखेंगे। वहीं उन्हें जनस्वास्थ्य विभाग के खण्ड-2 की जिम्मेदारी के अलावा उद्यान विभाग के निदेशक की भी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जबकि महा प्रबंधक (सिविल) के रूप में पूर्व से ही जनस्वास्थ्य विभाग, टीएसी व आईटीएमएस व बसों के संचालन का कार्य देख रहे एसपी सिंह को अब सिविल विभाग की आधी जिम्मेदारी सौंप दी गई है। वे वर्क सर्किल 1-5 तक की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं जनस्वास्थ्य विभाग के खण्ड-1 के अलावा टीएसी, आईटीएमएस व बसों के संवालन की जिम्मेदारी भी निभाते रहेंगे।

बता दें कि महा प्रबंधक (सिविल) अशोक कुमार अरोडा को कार्यों की जिम्मेदारी मिलने के बाद उन्हें सेक्टर-6 स्थित प्राधिकरण के प्रशासनिक भवन में प्रथम मंजिल में सीएलए का कक्ष आवंटित कर दिया गया। जहां पर उन्होंने बैठना शुरू कर दिया है।

प्राधिकरण 60 चौराहों पर लगायेगा पीयू बैरियर : एस पी सिंह

नोएडा (चेतना मंच)। जाम से निबटने के लिए नोएडा प्राधिकरण सभी प्रमुख चौराहों पर लेफ्ट टर्न को खत्म करने के लिए पीयू बैरियर लगायेगा। 60 प्रमुख चौराहों पर बैरियर लगाये जाएंगे। यह जानकारी नोएडा ट्रैफिक सेल के महाप्रबंधक एसपी सिंह ने दी है।

उन्होंने बताया कि इसके लिए पॉली यूरिथीन (पीयू) बेस्ड बैरियर लगाए जाएंगे। इन बैरियर पर यदि गाड़ी टकरा भी जाए तो किसी प्रकार का नुकसान नहीं होगा। ये लचीली प्लास्टिक की तरह के बैरियर है। जिनका ट्रायल नोएडा प्राधिकरण के बाहर मुख्य सड़क पर किया जा रहा है। यहां प्राधिकरण को जाने वाली सड़क पर करीब 10 मीटर में इस बैरियर को लगाया गया है। ट्रायल सफल होने पर इसे 60 चौराहों पर लेफ्ट टर्न फ्री करने के लिए लगाया जाएगा।

एसपी सिंह ने बताया कि एक मीटर बैरियर लगाने में करीब 12 हजार रुपए का खर्चा आएगा। अधिकांश चौराहों पर 10 मीटर बैरियर से काम चल जाएगा। जरुरत पड़ने पर इसकी लंबाई को बढ़ाया जा सकता है। ये इतना फैक्सिबल है कि कोई भी कार , बाइक यदि इससे टकरा भी जाए तो डेमेज नहीं होगा।

इन रेडियम लाइट्स है। ये रात में जगमाएंगी। ऐसे में रात में किसी प्रकार की समस्या नहीं होगी। हाल ही में नोएडा प्राधिकरण ने जिन चौराहों पर लैफ्ट टर्न फ्री करना है। उनका एक सर्वे कराया था। सर्वे में के तहत 60 चौराहों पर इनको लगाया जाएगा। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

एनईए व नोएडा डायबिटिक फोरम का स्वास्थ्य शिविर कल

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा एन्ट्रेप्रिनियोर्स एसोसिएशन और नोएडा डायबटिक फोरम द्वारा कल रविवार एन0ई0ए0 सभागार सैक्टर-6,नोएडा में नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श एवं स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श एवं स्वास्थ्य जाँच शिविर में नोएडा मीडिया क्लब के सदस्य भी आमंत्रित हैं। जो अपने परिवारजनों के साथ शिविर में पहुँच कर अपना एवं अपने परिवारजनों के स्वास्थ्य की जाँच करवा सकते हैं। जाँच शिविर में शहर के सभी अस्पतालों के विशेषज्ञ डॉक्टर उपस्थित रहेंगे। साथ ही ब्लड शुगर, ई0सी0जी0, यूरिक एसिड, लग्ज टैस्ट, न्यूरोपैथी, फाईब्रो स्कैन लिवर आदि की जाँच निशुल्क की जाएगी । यह शिविर सुबह 9.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक चलेगा। यह जानकारी एनईए अध्यक्ष विपिन मल्हन ने दी है।

ई-बसों के इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए सर्वे शुरू, प्राधिकरण ने कंपनियों को भेजा पत्र

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना क्षेत्र में 500 सिटी ई बस चलनी है। ये बस नोएडा के सेक्टर-90 और 82 के टर्मिनल में खड़ी होंगी। यही पर चार्ज और सर्विस भी होंगी। इन बसों के लिए दोनों टर्मिनल में इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जा रहा है। जिसमें चार्जिंग स्टेशन, सर्विस स्टेशन, शेड के अलावा वाशिंग आदि का काम होना है। इसके लिए प्राधिकरण ने सात सलाहकार कंपनियां जिसमें डिम्स, यूएमटीसी, क्रिजिम, सीआईआरटी, राइट्स, सीआरआर आई, आईआईटी दिल्ली है।

इसमें डिम्स कंपनी ने शुक्रवार से अपना सर्वे शुरू कर दिया है। कंपनी के प्रतिनिधि सेक्टर-82 और 90 टर्मिनल का जाएजा लेंगे। इसके बाद अपनी सर्वे रिपोर्ट 10 दिन में प्राधिकरण को देंगे। प्राधिकरण ने बताया कि जिन कंपनियों को पत्र लिखा गया है उसमें और भी लोग सर्वे करेंगे। सर्वे पूरा होने के बाद एक प्रजेंटेशन होगा। जिसमें किसी एक कंपनी का चयन किया जाएगा। उसकी गाइडेंस भी ही इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलेप करने के लिए टेंडर जारी किया जाएगा।

इससे पहले बसों के संचालन के लिए स्पेशल पर्पज व्हीकल (एसपीवी) का गठन किया जा रहा है। यानी एक कंपनी का निर्माण किया जा रहा है। इस कंपनी का नाम क्या होगा। इसके लिए तीन नाम शासन को भेजे गए है। जल्द ही वहां से एक नाम चिन्हित होकर आएगा। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

विभाजनकारी प्रवृत्तियां

कथित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एंटी सोशल अभिव्यक्ति के चलते उपजी विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश की जरूरत बताते हुए देश की शीर्ष अदालत ने आत्म-नियमन की जरूरत बतायी है। दरअसल, जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की पीठ, एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर विचार कर रही थी, जिस पर धर्म विशेष के देवी-देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट के चलते कई राज्यों में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अदालत का कहना था कि नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का मूल्य समझना चाहिए। साथ ही इस अधिकार का इस्तेमाल करते हुए आत्म-संयम बरतना चाहिए। कोर्ट ने चेताया है कि यदि सोशल मीडिया पर विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश नहीं लगता तो सरकार को हस्तक्षेप करने का मौका मिलता है। जो एक अच्छी स्थिति नहीं होगी। निस्संदेह, समाज में विद्वेष व नफरत फैलाने वाले संदेश समरसता के भारतीय परिवेश के लिये गंभीर चुनौती बने हुए हैं। यही वजह है कि कोर्ट को कहना पड़ा कि वह नियमन के लिये दिशा-निर्देश जारी करने पर विचार कर रही है। दरअसल, अदालत का मानना था कि संविधान के अनुच्छेद 19(2) के तहत मिली आजादी असीमित कदापि नहीं है। यदि उससे सामाजिक समरसता में खलल पड़ता है तो सरकार को दखल देने का मौका मिलता है। जो कि एक लोकतांत्रिक देश के लिये अच्छा संकेत नहीं है। कोई नहीं चाहता कि उसकी अभिव्यक्ति की आजादी को सरकार नियंत्रित करे। सही मायनों में लोगों को समझना चाहिए कि देश की एकता व अखंडता बनाये रखना मौलिक कर्तव्य ही है। अदालत ने इस बाबत सवाल भी किया कि नागरिक स्वयं को संयमित क्यों नहीं कर सकते? कोर्ट का मानना था कि लोग तभी अभिव्यक्ति की आजादी का आनन्द ले सकते हैं जब यह संयमित ढंग से व्यक्त की जाए। शीर्ष अदालत की पीठ का मानना था कि नागरिकों के बीच भाईचारा होना चाहिए, तभी समाज में नफरत से मुकाबला किया जा सकता है। तभी हम गंगा-जमुनी संस्कृति के समाज का निर्माण कर सकते हैं। वैसे कई राज्यों में स्वतंत्र अभिव्यक्ति के नियमन को लेकर सरकारी कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। कई जगह विचारों की अभिव्यक्ति व कार्टून आदि बनाने को राजनीतिक दुराग्रह बताते हुए लोगों को गिरफ्तार तक किया गया है। जिसे सत्ताधीशों द्वारा बदले की भावना से की कार्रवाई बताया जाता रहा है। आरोप लगाया जाता रहा है कि सत्तारूढ़ दल की विचारधारा के अनुरूप अमर्यादित अभिव्यक्ति पर कोई एक्शन नहीं लिया जाता। लेकिन दूसरे राज्य में अन्य राजनीतिक दल की सरकार में यही अभिव्यक्ति अपराध बन जाती है। कहा जाता रहा है कि अभिव्यक्ति की आजादी द्वारा किसी मर्यादा को भंग करना घटिया या आपत्तिजनक तो हो सकता है लेकिन इसे अपराध की श्रेणी में नहीं रखा जाना चाहिए। इसे कानून के आलोक में देखा जाना चाहिए। यह निर्विवाद सत्य है कि विभिन्न राजनीतिक दलों व संगठनों द्वारा सोशल मीडिया मंच का जमकर दुरुपयोग किया जाता रहा है। वहीं लोगों का कसूर यह है कि दल विशेष के एजेंडे वाली सामग्री को वे बिना पढ़े, दूसरे लोगों व समूहों में शेयर कर देते हैं। दरअसल,आम नागरिकों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए कि सोशल मीडिया पर उनका संयमित व्यवहार कैसा होना चाहिए। बहुत से लोगों को यह पता नहीं होता है कि सोशल मीडिया पर शेयर की जा रही सामग्री की कितनी संवेदनशीलता है। कई लोग जाने-अनजाने में ऐसी सामग्री दूसरे व्यक्तियों व समूहों में शेयर कर देते हैं जो समाज विरोधी हो सकती है। दरअसल, वे उसकी मूल सामग्री को बनाने वाले के छिपे एजेंडे को नहीं भांप पाते। कभी-कभी भावावेश में लोग ऐसे कदम उठा देते हैं। निस्संदेह, कोई भी व्यक्ति भावनात्मक दुर्बलताओं से मुक्त नहीं होता, लेकिन फिर भी उसे शेयर की जा रही सामग्री की तार्किकता पर मंथन जरूर करना चाहिए। दरअसल, सोशल मीडिया आज एक ऐसा अस्त्र बन गया है जो जरा सी चूक से घातक साबित हो सकता है। वास्तव में हर नागरिक को इतना सचेत व जागरूक होना जरूरी है कि वह विभिन्न स्रोतों से आने वाली सामग्री से जुड़ी मंशा को समझ सके। निस्संदेह, संयमित, तार्किक व सतर्क प्रतिक्रिया से हम अभिव्यक्ति के मौलिक अधिकार का आनन्द ले सकते हैं।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि एक बार राजा के मन में बड़ी ग्लानि हुई कि मेरे पुत्र नहीं है। राजा तुरंत ही गुरु के घर गए और चरणों में प्रणाम कर बहुत विनय की॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0-तब अदृस्य भए पावक सकल सभहि समुझाइ।
परमानंद मगन नृप हरष न हृदयँ समाइ॥

तदनन्तर अग्निदेव सारी सभा को समझाकर अन्तर्धान हो गए। राजा परमानंद में मग्न हो गए, उनके हृदय में हर्ष समाता न था॥

तबहिं रायँ प्रिय नारि बोलाईं। कौसल्यादि तहाँ चलि आईं॥
अर्ध भाग कौसल्यहि दीन्हा। उभय भाग आधे कर कीन्हा॥

उसी समय राजा ने अपनी प्यारी पत्नियों को बुलाया। कौसल्या आदि सब (रानियाँ) वहाँ चली आईं। राजा ने (पायस का) आधा भाग कौसल्या को दिया, (और शेष) आधे के दो भाग किए॥

कैकेई कहँ नृप सो दयऊ। रह्यो सो उभय भाग पुनि भयऊ॥
कौसल्या कैकेई हाथ धरि। दीन्ह सुमित्रहि मन प्रसन्न करि॥

वह (उनमें से एक भाग) राजा ने कैकेयी को दिया। शेष जो बच रहा उसके फिर दो भाग हुए और राजा ने उनको कौसल्या और कैकेयी के हाथ पर रखकर (अर्थात उनकी अनुमति लेकर) और इस प्रकार उनका मन प्रसन्न करके सुमित्रा को दिया॥

(क्रमशः...)

पंच परिवर्तन से बदल जाएगा समाज का चेहरा-मोहरा

इतिहास के चक्र में किसी सांस्कृतिक संगठन के सौ साल की यात्रा साधारण नहीं होती। यह यात्रा बीज से बिरवा और अंततः उसके वटवृक्ष में बदल जाने जैसी है। ऐसे में उस संगठन के भविष्य की यात्रा पर विमर्श होना बहुत स्वाभाविक है। स्वतंत्रता के अमृतकाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संकल्प भविष्य के भारत की रचना में सहयोगी बन सकते हैं।

अपने शताब्दी वर्ष में संघ ने 'पंच परिवर्तन' का संकल्प लिया है। यह पंच परिवर्तन क्या है? इससे क्या होने वाला है? इसे भी जानना जरूरी है। संघ की मान्यता है कि व्यवस्था परिवर्तन का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब भारत की व्यवस्थाएं 'स्व' पर आधारित हों। 'स्व' आधारित तंत्र बनाना साधारण नहीं है। महात्मा गांधी से लेकर देश के तमाम विचारक और राजनेता 'स्व' की बात करते रहे,किंतु व्यवस्था ने उनके विचारों को अप्रासंगिक बना दिया। समाज परिवर्तन के बिना व्यवस्था परिवर्तन संभव नहीं, इसे भी सब मानते हैं। वैचारिक संभ्रम इसका बहुत बड़ा कारण है। हम आत्मविस्मृति के शिकार और आत्मदैन्य से घिरे हुए समाज हैं। गुलामी के लंबे कालखंड ने इस दैन्य को बहुत गहरा कर दिया है। इससे हम अपना मार्ग भटक गए। स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, स्वामी दयानंद सरस्वती, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, बाबा साहब आंबेडकर हमें वह रास्ता बताते हैं जिनपर चलकर हम अपनी कुरीतियों से मुक्त एक सक्षम, आत्मनिर्भर और स्वाभिमानी समाज बन सकते थे। किंतु अंग्रेजों के बाद सत्ता में आए नायकों ने सारा कुछ बिसरा दिया। उस आरंभिक समय में भी दीनदयाल उपाध्याय और डा. राममनोहर लोहिया जैसे नायक भारत की आत्मा में झांकने का प्रयास करते रहे किंतु सत्ता की राजनीति को वे विचार अनुकुल नहीं थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन का जो संकल्प लिया है,वह भारत की चिति और उसकी स्मृति को जागृत करने का काम करेगा। राष्ट्रीय चेतना का स्तर बढ़ाने के लिए 1.नागरिक कर्तव्य, 2. स्वदेशी, 3. पर्यावरण संरक्षण, 4.समरसता, 5.कुटुंब प्रबोधन जैसे पांच संकल्प ही पंच परिवर्तन के सूत्र हैं। इन विषयों में भारत की आत्मा को झकझोरकर जगाने और 'नया भारत' बनाने का संकल्प झलकता है।

किसी भी राष्ट्र और लोकतंत्र की सफलता उसके नागरिकों की सहभागिता और कर्तव्यबोध से ही सार्थक होती है। एक जीवंत लोकतंत्र की गारंटी उसकी नागरिक चेतना ही है। कानूनों की अधिकता और उसे न मानने का मानस दोनों साथ-साथ चलते हैं। अपनी माटी के प्रति प्रेम, उत्कट राष्ट्रभक्ति ही सफल राष्ट्र का आधार है। जापान जैसे देशों का उदाहरण देते समय हमें देखना होगा कि क्या हमारी राष्ट्रीय चेतना और संवेदना वही है जो एक जापानी में है। आखिर क्या कारण है कि अपनी महान परंपराओं, ज्ञान परंपरा के बाद भी हम एक लापरवाह और कुछ मामलों में अराजक समाज में बदलते जा हैं। कानूनों को तोड़ना यहां फैशन है। यहां तक की हम सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और सड़कों पर रेड लाइट का

उल्लंघन करने से भी बाज नहीं आते। ये बहुत छोटी बातें लगती हैं, किंतु हैं बहुत बड़ी। चुनावों में शत प्रतिशत मताधिकार तो दूर का सपना है। बहुत शिक्षित शहरों में वोटिंग 50 प्रतिशत से आगे नहीं बढ़ पाती। ये सूचनाएं बताती हैं कि हमें अभी जागरूक नागरिक या सजग भारतीय होना शेष है।कानूनों का पालन, कर का समय पर भुगतान, सामाजिक और सामुदायिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा जरूरी है। एक शानदार समाज की पहचान है कि वह अपने परिवेश को न सिर्फ स्वच्छ और सुंदर बनाने का प्रयास करता है बल्कि अपने प्रयासों से अन्यों को भी प्रेरित करता है। देखा जाता है कि हममें अधिकार बोध बहुत है किंतु कर्तव्यबोध कई बार कम होता है। जबकि संविधान हमें मौलिक अधिकारों के साथ कर्तव्यों की भी सीख देता है। हमारे धार्मिक ग्रंथ हमें नागरिकता और सामाजिक आचरण का पाठ पढ़ाते हैं। सवाल यह है कि हम उन्हें अपने जीवन में कितना उतार पाते हैं।

पंचपरिवर्तन का दूसरा सूत्र है 'स्वदेशी'। स्वदेशी सिर्फ आत्मनिर्भरता का मामला नहीं है यह राष्ट्रीय स्वाभिमान का भी विषय है। अपनी जमीन पर खड़े रहकर विकास की यात्रा ही स्वदेशी का मूलमंत्र है। विनोबा जी कहते थे- स्वदेशी का अर्थ है आत्मनिर्भरता और अहिंसा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसे सादगी से भी जोड़ता है। जिसके मायने हैं मितव्ययिता से जियो, कंजूसी से नहीं। स्वदेशी का सोच बहुत व्यापक है। परिवारों में भाषा, वेशभूषा, भवन, भ्रमण, भजन और भोजन ये छः चीजें हमारी ही होनी चाहिए। हम विदेशी भाषा, बोलें, दुनिया के साथ संवाद करें। किंतु अपने परिवारों अपनी मातृभाषा का उपयोग करें। विदेशी वस्त्रों से परहेज नहीं किंतु पारिवारिक मंगल आयोजनों और उत्सवों में अपनी वेशभूषा धारण करें। स्वभूषा, उपासना पद्धति, भोजन हमारा होना चाहिए। इसी तरह हम पूरी दुनिया घूमकर आएं किंतु भारत के तपोस्थलों, तीर्थस्थलों, वीरभूमियों तक भी हमारा प्रवास हो। हमारे परिजन जानें की राणा प्रताप कौन हैं और चित्तौड़गढ़ कहां है। शिवाजी कौन थे और रायगढ़ कैसा है। जालियांवालाबाग कहां है। इसी तरह हमारे घर भारतीयता का प्रतिनिधित्व करते हुए दिखने चाहिए। वहां एक भारतीय परिवार रहता है ,यह प्रकट होना चाहिए। महापुरूषों की तस्वीरें। अपनी भाषा में नाम पट्ट और स्वागतम् जैसे उच्चार लिखे हों। परिवारों में हमारी संस्कृति की छाप साफ दिखनी चाहिए। तुलसी का पौधा और पूजाघर के साथ, किताबों का एक कोना भी हो जिसमें हमारे धार्मिक ग्रंथ गीता, रामायण, महाभारत आदि अवश्य हों। उनका समय-समय पर पाठ भी परिवार के साथ हो। हमारी जीवनशैली आधुनिक हो किंतु पश्चिमी शैली का अंधानुकरण न हो। परिवार में काम करने वाले सेवकों के प्रति सम्मान की दृष्टि भी जरूरी है। ऐसे अनेक विषय हैं जिन पर विचार होना चाहिए।

प्रकृति के साथ संवाद और सहजीवन भारत का मूल विचार है। अपनी नदियों, पहाड़ों और पेड़-पौधों में ईश्वर का वास देखने की हमारी संस्कृति और परंपरा रही है। प्रकृति के बिना मानव जीवन की कल्पना असंभव है। प्रदूषण आज बहुत बड़ी चिंता बन गया है। कुछ भी स्वच्छ नहीं रहा। हवा भी जहरीली है। इसलिए हमें अपने भारतीय विचारों पर वापसी करनी ही होगी। प्रकृति और पर्यावरण के साथ सार्थक संवाद ही हमें बचा पाएगा। ग्लोबल वार्मिंग जैसी चिंताएं हमारे सामने चुनौती की तरह हैं। पानी, बिजली को बचाना, प्लास्टिक मुक्त समाज बनाने के साथ वाहनों का संयमित उपयोग जरूरी है। एयरकंडीशनर का न्यूनतम उपयोग, वनों और जंगलों की रक्षा जैसे अनेक प्रयासों से हम सुंदर दुनिया बना सकते हैं। घरों में पेड़-पौधे लगाएं और हरित घर का संकल्प लें। सच तो यह है कि अगर हम पर्यावरण की रक्षा करेंगें तो वह हमारी रक्षा करेगा।

सामाजिक समरसता के बिना कोई भी राष्ट्र अग्रणी नहीं बन सकता। गुरु घासीदास कहते हैं- मनखे-मनखे एक हैं। किंतु जातिवाद ने इस भेद को गहरा किया है। तमाम प्रयासों के बाद भी आज भी हम इस रोग से मुक्त नहीं हो सके हैं। भेदभाव ने हमारे समाज को विभाजित कर रखा है, जिसके चलते दुनिया में हमारी छवि ऐसी बनाई जाती है कि हम अपने ही लोगों से मानवीय व्यवहार नहीं करते हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कहते थे- अस्पृश्यता ईश्वर और मानवता के प्रति अपराध है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक रहे पू. बालासाहब देवरस ने इस संकट को रेखांकित करते हुए बसंत व्याख्यानमाला में कहा था कि- अगर छूआछूत गलत नहीं है दुनिया में कुछ भी गलत नहीं है, इसे मूल से नष्ट कर देना चाहिए। ऐसे में हमें यह समझना होगा कि जो कुछ भी सैकड़ों सालों से परंपरा के नाम पर चल रहा है वह हमारा धर्म नहीं है। इतिहास में हुए इन पृष्ठों का कोई भी सभ्य समाज समर्थन नहीं कर सकता। जबकि हमारे धर्म ग्रंथ और शास्त्र इससे अलग हैं। हमारे ऋषि और ग्रंथों के रचयिता सभी वर्गों से हैं। भगवान बाल्मीकि और वेद व्यास इसी परंपरा से आते हैं। यानि यह भेद शास्त्र आधारित नहीं है। यह विकृति है। इससे मुक्ति जरूरी है।हमें इसके सचेतन प्रयास करते हुए अपने आचरण, व्यवहार और वाणी से समरसता का अग्रदूत बनना होगा। सभी समाजों और वर्गों से संवाद और सहकार बनाकर हम एक आदर्श समाज की रचना में सहयोगी हो सकते हैं। इससे समाज का सशक्तिकरण भी होगा। समानता का व्यवहार, वाणी संयम, परस्पर सहयोग, संवेदनशीलता से हम दूरियों को घटा सकते हैं और भ्रम के जाले साफ कर सकते हैं। साथ ही अपने गांव, नगर के मंदिर, जलश्रोत, श्मशान सबके लिए समान रूप से खुल होने ही चाहिए। इसमें कोई भी भेद नहीं होना चाहिए।

आज का सबसे बड़ा संकट कुटुंब का बिखराव है। एकल परिवारों में बंटते जाना और अकेले होते जाना इस समय की त्रासदी है। जबकि कल्याणकारी कुटुंब वह है जहां सब संरक्षण, स्नेह और संवेदना के सूत्र में बंधे होते हैं। जहां बालकों को प्यार और शिक्षा, वयस्कों को सम्मान और बुजुर्गों को सम्मान और सेवा मिलती है। परिवार हमारी शक्ति बनें इसके लिए पंच परिवर्तन का बड़ा मंत्र है- कुटुंब प्रबोधन। कुटुंब की एक परंपरा होती है। हम उसे आगे बढ़ाते हैं और संरक्षित करते हैं। मूल्यआधारित जीवन इससे ही संभव होता है। परिवार के मूल्यों से ही बच्चों को संस्कार आते हैं और वे सीखते हैं। जैसे देखते हैं वैसा ही आचरण करते हैं।कुटुंब दरअसर रिश्तों का विस्तार है। जिसमें पति-पत्नी और बच्चों के अलावा हमारे सगे-संबंधी भी शामिल हैं। उनके सुख में सुख पाना, दुख में दुखी होना और उन्हें संबल देना हमें मनुष्य बनाता है। इसके लिए बच्चों के साथ-साथ रिश्तों को समय देना जरूरी है। औपचारिक और अनौपचारिक रुप से कार्यक्रमों, खान-पान, उत्सवों के माध्यमों से ये रिश्ते दृढ़ होते जाएं यह बहुत जरूरी है।

पंच परिवर्तन के साधारण दिखने वाले सूत्रों में ही भारत की आत्मा के दर्शन होते हैं। इन सूत्रों को अपनाकर हम एक सुंदर बनाने की दिशा में बड़ा काम कर सकते हैं। संघ की शताब्दी वर्ष में लिए गए ये संकल्प हमें एक समाज और राष्ट्र के रूप में संबल देने का काम करेगें इसमें दो राय नहीं है। 22 जनवरी,2024 को अयोध्या में राममंदिर में भगवान की प्राणप्रतिष्ठा के बाद राम राज्य की ओर हम बढ़ चले हैं। राम राज्य के मूल्य हमारे जीवन में आएं। परिवारों में आएं। इससे एक सबल, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी भारत बनेगा। आचरण की शुचिता से आए परिवर्तन ही स्थाई होते हैं। इससे ही हमारे मन में राम रमेंगें और देश में रामराज्य आएगा।

-प्रो. संजय द्विवेदी
(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के आचार्य और अध्यक्ष हैं।)

युवा भारत की कलम से लिखा निवेश का नया भूगोल

भारत की आर्थिक चेतना का जो नया अध्याय इस समय लिखा जा रहा है, उसकी सबसे सशक्त पंक्ति युवा भारत की कलम से निकल रही है। बीते वर्षों में आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों में जो परिवर्तन देखने को मिले हैं, वे महज सरकारी योजनाओं या वैश्विक वित्तीय संस्थानों की रिपोर्टों के निष्कर्ष नहीं हैं, बल्कि भारत के गांवों, कस्बों और छोटे शहरों से निकलते उस नए युवा भारत के प्रमाण हैं जो अब सिर्फ नौकरी ढूंढने वाला नहीं, बल्कि निवेश और उत्पादन का भागीदार बन चुका है। यह बदलाव जितना अदृश्य था, उतना ही व्यापक हो चुका है।

एक समय था जब भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर विकास दर 3.5 से 4 प्रतिशत के बीच झूलती थी और इस स्थिरता को ही स्थायित्व मान लिया जाता था। 1950 से 1980 के दौर के लिए अर्थशास्त्री राजकृष्ण ने 'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ' शब्द प्रयोग किया। बाद के वर्षों में आशीष बोस ने 'बीमारू' शब्द गढ़ा, जिससे बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों की विकासहीनता को रेखांकित किया गया। लेकिन 2025 के इस कालखंड में यदि हम पीछे मुड़कर देखें तो पाएंगे कि जिन राज्यों को कल तक बीमारू कहा गया, आज वही आर्थिक परिवर्तन की नई इबारत लिख रहे हैं।

वर्ष 1991 में जब भारत ने उदारीकरण की दिशा में कदम बढ़ाया था, तभी से यह परिवर्तन धीरे-धीरे आकार लेने लगा था। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि उस परिवर्तन का पूरा फल भारतीय जनमानस तक पहुंचने में समय लगा। किंतु अब स्थिति बदल चुकी है। भारत के शेयर बाजार को लेकर जितना उत्साह आज छोटे शहरों और ग्रामीण अंचलों में देखने को मिल रहा है, वह इस बात का प्रमाण है कि देश की आर्थिक यात्रा अब कुछ महानगरों तक सीमित नहीं है। और इस समावेशी आर्थिक चेतना का नेतृत्व कर रहे हैं देश के युवा।

मॉर्गन स्टैनली जैसी वैश्विक वित्तीय संस्था का यह आकलन कि यदि स्थितियां अनुकूल रहीं, तो भारत का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स अगले 12 महीनों में एक लाख के आंकड़े को पार कर सकता है, केवल बाजार का भविष्यवाणीय अनुमान नहीं है, बल्कि यह भारत के सामाजिक-आर्थिक ढांचे में आ रहे गहरे और बुनियादी बदलावों का संकेत भी है। इस आकलन के पीछे जिस प्रवृत्ति ने सबसे अधिक प्रभाव डाला है, वह है—निवेश के प्रति युवाओं की रुचि, जागरूकता और भागीदारी।

यदि हालिया वर्षों में निवेशक संख्या का तुलनात्मक अध्ययन किया जाए, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि यह बदलाव केवल महाराष्ट्र, गुजरात या कर्नाटक जैसे पारंपरिक औद्योगिक राज्यों तक सीमित नहीं है। बल्कि अब उत्तर प्रदेश, राजस्थान और बिहार जैसे राज्य इस दौड़ में शामिल ही नहीं, बल्कि कई मायनों में अग्रणी भी हो चले हैं।

वित्तीय वर्ष 2025 के उपलब्ध आंकड़े बताते हैं कि भारत में सबसे अधिक डीमैट खाताधारक महाराष्ट्र में हैं, जिसकी संख्या लगभग 186 लाख है। किंतु इसके बाद दूसरे स्थान पर है उत्तर प्रदेश, जहां यह संख्या 130 लाख के आसपास पहुंच गई है। विशेष बात यह है कि जबकि महाराष्ट्र ने पांच वर्षों में लगभग 21 गुना वृद्धि दर्ज की, उत्तर प्रदेश ने 47 गुना की दर से यह वृद्धि हासिल की है। इससे यह निष्कर्ष निकालना कठिन नहीं कि महाराष्ट्र जैसे राज्य जहां निवेश स्थिरता की ओर बढ़ रहे हैं, वहीं उत्तर प्रदेश जैसे राज्य अब निवेशक वर्ग के लिए नए अवसरों का द्वार खोल रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में जिस प्रकार योगी आदित्यनाथ सरकार ने कानून व्यवस्था, आधारभूत ढांचा और निवेश समर्थक नीतियों पर बल दिया है, उसका सीधा असर राज्य की आर्थिक चेतना पर पड़ा है। एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य अब सिर्फ भाषणों तक सीमित नहीं रह गया, बल्कि राज्य के युवाओं की आकांक्षा का हिस्सा बन चुका है। आज का पूर्वांचल, बुंदेलखंड और तराई क्षेत्र भी बाजार की भाषा समझने लगा है।

इसी क्रम में राजस्थान की स्थिति भी उल्लेखनीय है, जहां पांच वर्षों में 46 गुना तक निवेशकों की संख्या में वृद्धि हुई है। पर्यटन और खनिज संपदा पर आधारित अर्थव्यवस्था वाले इस राज्य में अब युवाओं ने बाजार को भी संभावनाओं का क्षेत्र मानना शुरू कर दिया है। किंतु जो राज्य सबसे अधिक चौंकाता है, वह है—बिहार।

एक समय लालटेन की राजनीति से पहचान रखने वाला बिहार अब %लैपटॉप और लिक्विडिटी% की अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। पांच वर्षों पहले जहां बिहार में केवल सात लाख लोग शेयर बाजार से जुड़े थे, वहीं अब यह संख्या 52 लाख को पार कर चुकी है। यह 68 गुना वृद्धि न केवल देश की सबसे तेज़ आर्थिक भागीदारी को दर्शाती है, बल्कि उस मानसिक और सामाजिक बदलाव का भी प्रतीक है जो इस राज्य की जनता में आया है।

बिहार में हाल के वर्षों में आयोजित औद्योगिक संवाद और निवेशक समागमों में देश की 55 से अधिक आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों ने भाग लिया है। ये कंपनियाँ ड्रोन, डेटा सेंटर, सोलर उपकरण और सॉफ्टवेयर सेवाओं में रुचि दिखा रही हैं। राज्य सरकार द्वारा निवेशकों के लिए 70 प्रतिशत तक प्रोत्साहन राशि, सिंगल विंडो क्लीयरेंस की व्यवस्था और उद्योगिक संवाद में तत्परता इस बदलाव को और मजबूती दे रहे हैं। यह बदलाव केवल योजनाओं या घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीन पर दिखने लगा है। यह परिवर्तन अचानक नहीं हुआ।

- संजीव कुमार मिश्र,
वरिष्ठ पत्रकार

राशिफल

श्रावण माह, कृष्ण पक्ष, नवमी — **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
स्वास्थ्य में सुधार हो चुका है। प्रेम, संतान भी अच्छा है। व्यापार भी अच्छा है। धर्नाजन बढ़ेगा। कुटुंब में वृद्धि होगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
जुआ, सट्टा, लॉटरी में पैसे न लगाएं। नुकसान का संदेह है। मुख रोग के शिकार हो सकते हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान का साथ होगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
गृह कलह के संकेत हैं। भौतिक सुख-संपदा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान का साथ। व्यापार अच्छा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
कार्यों की विघ्न-बाधा खत्म होगी। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य में सुधार।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आनंदमय जीवन गुजरेगा। प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात होगी। जीवनसाथी के साथ सानिध्य बना रहेगा, जो लोग विवाहित हैं।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
स्वास्थ्य में सुधार। कोर्ट-कचहरी में विजय। व्यापारिक सफलता। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे या स्वंय हार जाएंगे। स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित है। प्रेम, संतान अच्छा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
आय में सुधार होगा। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। आय के नवीन स्तोत्र बनेंगे। अच्छे समाचार की प्राप्ति होगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
चिंताकारी सृष्टि का सृजन हो रहा है। मन परेशान रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान का साथ होगा।

एक सफल वकील या न्यायाधीश वही बन सकता है, जो हर तथ्य को ध्यान से सुनता और समझता है : जस्टिस राजेश बिंदल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेनो के नॉलेज पार्क स्थित शारदा विश्वविद्यालय के स्कूल लॉ में पहले श्री आनंद स्वरुप गुप्ता मेमोरियल लॉ लेक्चर सीरीज में पहुंचे सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस राजेश बिंदल इस दौरान उन्होंने अत्याधुनिक मूट कोर्ट का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि एक सफल वकील या न्यायाधीश वही बन सकता है, जो हर तथ्य को ध्यान से सुनता और समझता है। उन्होंने छात्रों को सतर्क रहकर सुनने, सोचने और तार्किक विश्लेषण विकसित करने की प्रेरणा दी। छात्रों को वैचारिक आधार बनाने के लिए पढने की आदत विकसित करने की प्रेरणा दी। उन्होंने युवाओं में ध्यान के अभाव की समस्या की ब ?ती समस्या पर भी प्रकाश डाला और डिजिटल संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग करने की सलाह दी। शिक्षकों, नीति निर्माताओं और छात्रों के एक समूह को संबोधित करते हुए, न्यायमूर्ति बिंदल ने एक ऐसा शिक्षा ढांचा बनाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया जो न केवल प्रतिभाओं के पलायन को रोके, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को भी भारत की ओर आकर्षित करे। शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती भूमिका पर भी प्रकाश डाला और एआई पर अत्यधिक निर्भरता के प्रति आगाह किया। उन्होंने आगे कहा, हालांकि एआई हर क्षेत्र में बदलाव ला रहा है, हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हम पूरी तरह से इस पर निर्भर न रहें, खासकर कानूनी व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एआई मानवीय निर्णय की जगह नहीं ले सकता, खासकर कानूनी फैसलों के मामले में। उन्होंने स्कूल ऑफ लॉ के मूट कोर्ट बारे में कहां ऐसा कोर्ट मैंने किसी और विश्वविद्यालय में नही देखा। उन्होंने संविधान में मौलिक कर्तव्य एक जिम्मेदारी बारे में भी बताया। इस दौरान छात्रों के प्रश्नों के जवाब भी दिए।

विश्वविद्यालय के चांसलर पीके गुप्ता ने छात्रों से कहा कि आप वकील नहीं बल्कि देश प्रहरी और रक्षक है। देश को आजाद करवाने में वकीलों का बहुत बड़ा योगदान रहा है। वकील कभी रिटायर नही होता अन्य क्षेत्रों में काम करने की उम्र कि सीमा है। उन्होंने कहा कि तुलनात्मक विधि का अध्ययन छात्रों को वैश्विक स्तर पर सोचने और बहुआयामी कानूनी दृष्टिकोण अपनाने के लिए तैयार करता है। उन्होंने कहा कि इस तरह के अंतरराष्ट्रीय मंच छात्रों की अकादमिक और व्यावसायिक क्षमताओं को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा शिक्षा विकास की आधारशिला है। आज यह आवश्यक है कि छात्र यह समझें कि शिक्षा नीतियाँ उनके भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। कोशिश करोगे तो कुछ भी असंभव नहीं है।

इस दौरान विश्वविद्यालय प्रो चांसलर वाइके गुप्ता, वाइस चांसलर सिबाराम खारा,प्रो वाइस चांसलर डॉ परमानंद, डीन डॉ श्रृषिकेश दवे, डीन रिर्सच डॉ भुवनेश कुमार, समेत विभिन्न विभागों डीन और एचओडी मौजूद रहे।

भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी ने पार्टी के कई बड़े नेताओं से की मुलाकात

भदोही। भारतीय जनता पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी गोवर्धन राय गत पांच दिनों से दिल्ली एवं पश्चिम प्रदेश के दौरे पर गए थे। इस दौरान उन्होंने भाजपा के कई बड़े नेताओं से मिलकर जिले की ताजा राजनीति पर चर्चा की।

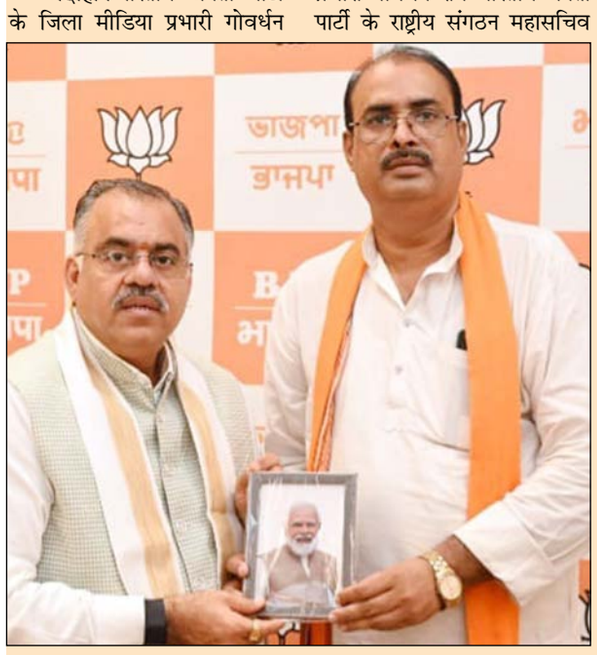

बताते चलें कि जिला मीडिया प्रभारी गोवर्धन राय भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव तरूण चुघ से नई दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय में मुलाकात की। इस दौरान गोवर्धन राय को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का छायाचित्र देकर सम्मानित किया। उसके बाद उन्होंने संगठन पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान जिला मीडिया प्रभारी केंद्रीय मंत्री एग्रीकल्चर भागीरथ चौधरी से भी मुलाकात कर भदोही के किसानों से संबंधित विषय पर चर्चा किया और जनपद के विकास की ओर उनका ध्यान आकृष्ट करवाया।

जिला मीडिया प्रभारी गोवर्धन राय ने बिजनौर पहुंचकर प्रदेश के संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह की माता के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय संगठन महासचिव अरुण सिंह से भी मुलाकात की।

इस दौरान राष्ट्रीय संगठन महामंत्री दुष्यंत गौतम राष्ट्रीय संगठन महामंत्री शिव प्रकाश केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी राष्ट्रीय सचिव अनिल एंटोनी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह भाजपा के पदाधिकारी विद्यासागर सोनकर राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े से भी मुलाकात कर संगठन के बारे में चर्चा की 5 दिन के दौरे के बाद जनपद पहुंचे जिला मीडिया प्रभारी गोवर्धन राय ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की नीतियों एवं विकास कार्यों की जमकर बखान की।

बीएचईएल कम्पनी पर सीटू का धरना जारी

नोएडा (चेतना मंच)। बीएचईएल कम्पनी पर सीटू का धरना आज भी जारी रहा। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कर्मचारी नेता रंजीत सिंह ने कहा कि कंपनी प्रबंधन निकाले गए सभी कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति सहित कार्य पर पुन: बहाल करें अन्यथा तय कार्यक्रम के अनुसार प्रतिदिन संस्थान के समक्ष आंदोलन जारी रहेगा। धरना प्रदर्शन का नेतृत्व रंजीत सिंह, सुरेंद्र सिंह, विनोद, शालू, वंदना, मनमोहन आदि कर्मचारियों ने किया।

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दिल्ली से लखनऊ जाते हुए भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष विमल पुंडीर के नेतृत्व में जीरो पॉइंट पर भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह का भाजपा किसान मोर्चा गौतमबुद्धनगर की टीम ने फूल माला व पटका पहनकर स्वागत किया व महाराणा प्रताप व भगवान शिव की मूर्ति भेंट की।

स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से महामंत्री अजब सिंह प्रधान जिला मंत्री कपिल भाटी जिला मंत्री अतुल शर्मा रणधीर राणा मंडल अध्यक्ष नितिन चौहान मंडल महामंत्री दीपक शर्मा सोशल मीडिया प्रभारीअमित भाटी कोषाध्यक्ष दीपक नगर जिला उपाध्यक्ष डॉ सुरेंद्र बैसला मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र पुंडीर प्रदीप गुर्जर दीपक राणा अंकित शुक्ला अफसर अली रिजवी कृष्णपाल सैनी मनवीर नगर अनुज श्यामवीर चौहान आदि लोगों उपस्थित रहे।

गढ़ी चौखंडी में हुई किसान गोष्ठी

ग्रटर नोएडा (चेतना मंच)। 30 जुलाई को गलगोटियाँ यूनिवर्सटी के सामने अंडरपास के नीचे दनकौर पर होने वाली किसान मज़दूर महापंचायत की तैयारियों के लिए जनजागरण अभियान के तहत कल गढ़ी चौखंडी और नवादा रसूलपुर नोएडा के गावों में किसान गोष्ठी एवं संगठन विस्तार करते हुए की गई।

किसान गोष्ठी में आए हुए सभी किसान एवं मज़दूर भाइयो ने पूर्ण रूप से आश्वास्त किया कि महापंचायत में पूरी मज़बूती के साथ गौतमबुद्ध नगर के किसानों की लड़ाई में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हुए महापंचायत को सफल बनवायेंगे आप सभी गढ़ी चोखंडी व नवादा रसूलपुर नोएडा वासियो का बहुत बहुत आभार एवं धन्यवाद आप के द्वारा जो सम्मान और सत्कार किया गया हम सब भारतीय किसान यूनियन परिवार सदैव आप के आभारी रहेंगे।

पृष्ठ एक के शेष....

बीडीएस की छात्रा ने....

किसी अनहोनी आशंका के चलते वह तुरंत गुड़गांव से शारदा यूनिवर्सिटी पहुंचे। यहां आकर पता चला कि ज्योति ने अपने कमरे में फांसी लगा ली है।

रमेश जांगड़ा के मुताबिक उनके पहुंचने तथा पुलिस के आने से पहले ही यूनिवर्सिटी के अधिकारियों व कर्मचारियों ने उनकी बेटी के शव को फांसी के फंदे से उतारकर शारदा अस्पताल पहुंचाया। इस दौरान यूनिवर्सिटी प्रशासन ने सबूत भी मिटाने का प्रयास किया। रमेश जांगड़ा ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी को यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। यूनिवर्सिटी के डीन डॉ एम सिद्धार्थ, सेरी मैडम, महेंद्र, अनुराग अवस्थी और सुरभि द्वारा ज्योति को पर्सनल तौर पर टॉर्चर किया गया और उसे आत्महत्या के लिए उकसाया गया।

दर्ज रिपोर्ट में रमेश जांगड़ा ने बताया कि बेटी की शिकायत पर वह बीते सोमवार को यूनिवर्सिटी पहुंचे और डीन समेत हेड से मिले। उन लोगों ने आश्वासन दिया कि आगे से पर्सनल तौर पर ज्योति को टॉर्चर नहीं किया जाएगा और ना ही किसी तरह का मिस बिहेव किया जाएगा। इसके बावजूद भी 16 जुलाई को सुरभि मैडम ने उनकी बेटी को कंप्लेंट करने पर क्लास रूम में प्रताड़ित किया। 17 जुलाई को फिर महेंद्र, सेरी मैडम तथा आशीष चौधरी ने उनकी बेटी के साथ मिसबिहेव किया और धमकी दी कि वह उसके काम को अप्रूव नहीं करेंगे और एग्जाम नहीं देने देंगे। इस धमकी के बाद उनकी बेटी डिप्रेशन में चली गई और उसने सुसाइड कर लिया। ज्योति द्वारा लिखे गए सुसाइड नोट में उसने इन सभी बातों का जिक्र किया है। पुलिस ने रमेश जांगड़ा की शिकायत पर यूनिवर्सिटी के डीन सहित 6 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। इस मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने महेंद्र व सेली को गिरफ्तार कर लिया है।

बता दें कि जैसे ही यूनिवर्सिटी के छात्रों को ज्योति की मौत की खबर लगी तो वह यूनिवर्सिटी पर एकत्रित हो गए। छात्रों एवं मृतक के परिजनों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ जमकर आक्रोश जताया । सूचना मिलने पर देर रात ग्रेटर नोएडा डीसीपी साद मियां खान सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने किसी तरह छात्रों व परिजनों को समझा-बुझाकर शांत कराया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। आत्महत्या की इस घटना के बाद से छात्रों में शारदा यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ खासा आक्रोश व्याप्त है।

मुठभेड़ में शातिर चोर....

को जा रही थ। उसी दौरान गौर सिटी से सूरजपुर की तरफ जाने वाले मार्ग पर बाइक पर आ रहे एक युवक को पुलिस टीम ने रोकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर बाइक सवार भाग निकला। संदेश के आधार पर पुलिस टीम ने बाइक सवार का पीछा किया। इस पर उसने फायरिंग कर दी। पुलिस द्वारा की गई जवाबी फायरिंग में बदमाश के पैर में गोली लगी और वह गिर गया। इसके बाद पुलिस ने उसे दबोच लिया।

एडीसीपी ने बताया कि पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम सूरज उर्फ संतोष पुत्र रामविलास निवासी ग्राम नगला भजन जनपद फिरोजाबाद बताया। वह हाल में पतवारी गांव में किराए पर रहा है। इसके पास से बाइक तमंचा व ज्वैलरी बरामद हुई। पूछताछ में सूरज ने बताया कि उससे बरामद ज्वेलरी उसने शाहबेरी स्थित एक ज्वेलरी की दुकान से चोरी की थी। आरोपी से बरामद बाइक के बारे में पड़ताल की गई तो पता चला कि वह दिल्ली से चोरी की गई थी।

ई-बसों के इंफ्रास्ट्रक्चर ...

इस एसपीवी में नोएडा ट्रैफिक सेल (एनटीसी) के अलावा तीनों प्राधिकरण के सीईओ डायरेक्टर और सात सब्सक्राइबर होंगे। सात सब्सक्राइबर में तीनों प्राधिकरण के एक-एक एसीईओ को शामिल किया जाएगा। इसके अलावा एक एफसी भी होंगे।

ये बस नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अलावा जनपद के 25 रूटों पर चलेंगी। इसमें से 300 बस नोएडा , 100 बस ग्रेटर नोएडा और 100 बस यीडा में चलेंगी। बसों का संचालन जीसीसी मॉडल किया जाएगा। इसके लिए दो कंपनियों का चयन किया गया है। पहली ट्रैवल टाइम मोबिलिटी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ये 9 मीटर लंबी बस 54.90 रुपए प्रति किमी की दर से चलाएगी।

दूसरी डेलबस मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड ये 12 मीटर लंबी बस 67.99 रुपए प्रति किमी की दर से बस चलाएगी। बसो के संचालन के लिए नोएडा , ग्रेटरनोएडा और यीडा के बीच एसपीवी का गठन 48 प्रतिशत, 26 प्रतिशत और 26 प्रतिशत के इक्विटी योगदान के साथ होगा या इसमें कमी या बढ़ोतरी की जा सकती है। 12 मीटर स्टैंडर्ड फ्लोर की 250 और 9 मीटर की स्टैंडर्ड फ्लोर की 250 ई बस शामिल है।

प्राधिकरण 60 चौराहों पर्....

इसके अलावा कई सड़कों के बीच में डिवाइडर के तौर पर भी इसे लगाया जा सकता है।

ट्रायल में सफल होने पर एनसीएप से मिले 23.47 करोड़ के फंड से इसका कार्य किया जाएगा। हालांकि ये फंड सड़क पर होने वाले अन्य कार्यो में भी प्रयोग में लाया जाएगा। बता दे एक बार लेफ्ट टर्न फ्री होने से नोएडा में लगने वाले जाम से निजात मिल जाएगा। यहां अधिकांश चौराहों पर लेफ्ट टर्न फ्री नहीं है। ऐसे में वाहनों को सिग्नल पर खड़ा रहना पड़ता है।

कल से मुफ्त....

उन्होंने बताया कि समस्त अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को खाद्यान्न गेहूं, चावल का वितरण नि:शुल्क किया जाएगा, जिसमें अंत्योदय कार्डधारकों को 14 किग्रा0 गेहूँ एवं 21 किग्रा0 चावल एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को कार्ड में सम्मिलित प्रति यूनिट 02 किग्रा0 गेहूं व 03 किग्रा0 चावल विक्रेता द्वारा नि:शुल्क वितरण किया जाएगा।

अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को गेहूं, चावल वितरण की अंतिम तिथि 10 अगस्त होगी, जिस दिन आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं को प्राप्त न कर सकने वाले उपभोक्ताओं हेतु मोबाइल ओ.टी.पी. वेरीफिकेशन के माध्यम से नि:शुल्क वितरण संपन्न किया जा सकेगा एवं विक्रेता द्वारा ई-पॉस मशीन से निकलने वाली वितरण पर्चियों पर गेहूँ, चावल का मूल्य शून्य होना स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया जाएगा तथा संबंधित उचित दर विक्रेता द्वारा कार्डधारक को उक्त पर्ची उपलब्ध करायी जायेगी। प्रत्येक दशा में यह सुनिश्चित किया जाए की कोई भी पात्र लाभार्थी खाद्यान्न प्राप्ति से वंचित न रहे।

यदि उन्हें आवश्यक वस्तुए प्राप्त करने में कोई समस्या उत्पन्न हो तो, उसके निराकरण हेतु अपनी तहसील में सम्बन्धित उपजिलाधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी एवं क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी/पूर्ति निरीक्षक से अथवा क्रियाशील कॉल सेंटर एवं टोल फ्री नम्बर-1967 एवं 1800-1800-150 पर समस्या दर्ज करा सकते है।

6 बदमाशों पर....

पुलिस ने पकड़े गए गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। गिरोह के सदस्यों के खिलाफ उत्तर प्रदेश गिरोह बंद समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1986 के तहत कार्रवाई की गई है।

जालसाजों ने बिल्डर....

आरटीजीएस के माध्यम से सुरेश कुमार सरीन के खाते में ट्रांसफर कर दिए। 1 जून 2023 को सुरेश सरीन व उसके पुत्र सचिन सरीन ने सरीन फॉर्म में एक एमओयू साइन किया। इसके उपरांत सुरेश सरीन व अन्य लोगों ने उक्त जमीन की पैमाइश करने तथा अन्य खर्चो के नाम पर उसे लगभग डेढ़ करोड़ रुपए की धनराशि और ले ली। एमओयू साइन होने के1 वर्ष बीतने के पश्चात जब उसने उन लोगों से केस स्टेटस मांगा और पंजीकृत अनुबंध करने के लिए कहा तो उन्होंने टालमटोल शुरू कर दी।

शिवांग ढाका के मुताबिक सुरेश सरीन ने 14 जून 2023 व 13 जुलाई 2024 को उसे दो अधिकार पत्र इस आशय से दिए कि वह चाहे तो अपना अधिवक्ता नियुक्त कर उच्च न्यायालय इलाहाबाद में जमीन संबंधी मामले की पहले स्वयं कर सकता है। उसने जब उच्च न्यायालय मे जमीन के केस के बारे में जानकारी ली तो पता चला कि यह केस लंबे समय से लंबित है और उसे पर जल्द ही कोई निर्णय आने की भी आशा नहीं है। इसके बाद उसने सचिन सरीन व सुरेश सरीन से संपर्क कर उक्त भूमि का अनुबंद करने को कहा इस पर उन्होंने भूमि का अनुबंध करने से इंकार कर दिया। उसने जब अपने पैसे वापस मांगे तो आरोपियों ने उसे सरीन फार्म पर बुलाया वहां पहुंचने पर आरोपियों ने उसे हथियारों के बल पर आतंकित करते हुए धमकी दी कि वह अपने पैसे भूल जाए अगर उसने पैसे मांगे तो इसका अंजाम सही नहीं होगा। उसने इसकी सूचना थाना ईकोटेक तीन पुलिस को दी। पुलिस ने उसके शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं कि इसके बाद उसने न्यायालय में आरोपियों के खिलाफ प्रार्थना पत्र देकर रिपोर्ट दर्ज कराए जाने की गुहार लगाई।

प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के बाद न्यायालय ने सुरेश कुमार सरीन, सचिन सरीन, पूर्व प्रधान रविंद्र भाटी, अजीत चौहान, बच्चन सिंह व सलीम फॉर्म मंदिर के पुजारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने के निर्देश दिए हैं।

विभिन्न सड़क हादसों

युवक की मौत हो गई थी। रोजा जलालपुर के महालक्ष्मी गार्डन में रहने वाला सनी अपने भाई के घर गाजियाबाद से वापस अपने घर आ रहा था। इस संबंध में मृतक के पिता हेमराज ने ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

वहीं थाना सेक्टर-58 क्षेत्र के सेक्टर-62 में 16 जुलाई को तेज गति में आ रहे हाईड्रा (क्रेन) चालक ने साइकिल सवार को टक्कर मार दी। इस हादसे में प्रदीप ठाकुर की मौके पर ही मौत हो गई थी। चोटपुर कॉलोनी में रहने वाला प्रदीप ठाकुर घटना के समय अपने काम पर जा रहा था। मृतक के बेटे रामप्रीत ठाकुर ने हाइड्रा चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

शाहबेरी में अवैध अतिक्रमण किया ध्वस्त

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने शाहबेरी में हुए अवैध निर्माण एवं अतिक्रमण पर कड़ी कार्रवाई की है। बताते चलें कि शिकायत के बाद डिवीजन-1 के वरिष्ठ प्रबंधक प्रभात शंकर कल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और अतिक्रमण एवं अवैध रूप से किए गए निर्माण को जेसीबी के जरिए ध्वस्त कराया।

इस अवसर पर भारी संख्या में पुलिस बल एवं ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी तथा कर्मचारी मौजूद रहे।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है।
समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

उत्तर रेलवे
इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई प्रणाली के अंतर्गत मदो की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण
भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक उत्तर रेलवे नई दिल्ली-110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदो के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा स.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
82245058B	ऑर्थो ओटी टेबल (स्पाइन एक्सटेंशन के साथ हेड रेस्ट सिस्टम के साथ ट्रैक्शन सेट के साथ)	1 No	08.08.25
82255015B	जोड़ प्रतिस्थापन के लिए रोबोट	1 No	08.08.25

निविदा शर्तें 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी।
टेंडर नोटिस सं.: इंजेक्शन और दवाएं दिनांक: 17.07.2025
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2181/2025

उत्तर मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना सं.: DYCE-GS-AGC-2025-07 दिनांक: 17.07.2025
ई-निविदा सूचना
उप मुख्य इंजीनियर, गतिशक्ति, उत्तर मध्य रेलवे, आगरा द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु E-TENDER द्वारा खुली निविदा आमंत्रित की जाती है।
टेंडर संख्या: DYCE-GS-AGC-2025-09
कार्य का नाम लोकेशन सहित एवं कार्य पूर्ण करने की अवधि: आगरा मंडल के आगरा-पलवल सेक्शन में किमी. 1433/19-21 पर लेवल क्रॉसिंग संख्या 546 के स्थान पर 02 लेन रोड ओवर ब्रिज का निर्माण। पूर्णता अवधि: 12 माह
कार्य की अनुमानित लागत: रु. 117699802.50 बिड सिक्योरिटी: रु. 738500/-
टेंडर डालने की अंतिम तिथि व समय: दिनांक: 12.08.2025 को 15:00 बजे तक टेंडर डाल सकते हैं।
पूरी जानकारी एवं टेंडर में भाग लेने हेतु इंडियन रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। टेंडर केवल वेब पोर्टल इंडियन रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर दिनांक 12.08.2025 को 15:00 बजे तक डाल सकते हैं। 1268/25 (ADM)
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे
No. DYCE-GS-AGC/-2025-06 Date: 17.07.2025
निविदा सूचना
उप मुख्य इंजीनियर, गतिशक्ति, उत्तर मध्य रेलवे, आगरा द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु E-TENDER द्वारा खुली निविदा आमंत्रित की जाती है।
टेंडर संख्या: DYCE-GS-AGC-2025-07A
कार्य का नाम लोकेशन सहित एवं कार्य पूर्ण करने की अवधि: अमृत स्टेशन योजना के अन्तर्गत आगरा मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर 12 यात्री लिफ्टों की व्यवस्था हेतु सिविल कार्य। बिड सिक्योरिटी: ₹ 273600/-, पूर्णता अवधि: 08 माह।
कार्य की अनुमानित लागत: ₹24726528.50/-, टेंडर डालने की अंतिम तिथि व समय: दिनांक: 08.08.2025 को 15.00 बजे तक टेंडर डाल सकते हैं।
पूरी जानकारी एवं टेंडर में भाग लेने हेतु इंडियन रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। टेंडर केवल वेब पोर्टल इंडियन रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर दिनांक 08.08.2025 को 15.00 बजे तक डाल सकते हैं। 1259/25 FA
North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

खास खबर

यूक्रेन की पीएम बनीं यूलिया स्विरीडेंको

कीव। यूलिया स्विरीडेंको अब यूक्रेन की नई प्रधानमंत्री बन गई हैं। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने उनके नाम की सिफारिश की थी। इसके बाद यूक्रेनी संसद ने उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में चुन लिया। यूलिया पहले डिप्टी पीएम और अर्थव्यवस्था मंत्री थीं। उनकी उम्र 39 साल है और वे पेशे से अर्थशास्त्री हैं। उन्होंने 2020 से पीएम पद पर काबिज डेनिस श्मिहाल की जगह ली है। बतौर डिप्टी पीएम स्विरीडेंको ने इस साल अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ खनिज डील कराने में अहम भूमिका निभाई थी, जिसके बाद उनकी बेहद तारीफ हुई थी। नई कैबिनेट में कुछ और बदलाव भी हुए हैं। श्मिहाल अब भी कैबिनेट में रहेंगे लेकिन रक्षा मंत्री नहीं होंगे। उनकी जगह रुस्तम उमरोव पहले से ही रक्षा मंत्री बने रहेंगे। पहले जेलेंस्की ने श्मिहाल को रक्षा मंत्री बनाने की बात कही थी।

अभिनेता प्रभाकरन ने दुनिया को कहा अलविदा

चेन्नई। तमिल सिनेमा के मशहूर निर्देशक और अभिनेता वेलु प्रभाकरन का लंबी बीमारी के बाद शुक्रवार को निधन हो गया। वह 68 साला के थे। उनके परिवार की ओर से बयान जारी कर कहा गया है कि हमें यह बताते हुए गहरा दुख है कि मशहूर फिल्ममेकर वेलु प्रभाकरन आज लंबी बीमारी के बाद हमेशा के लिए हमें छोड़कर चले गए।बता दें वेलु प्रभाकरन तमिल सिनेमा में अपनी बेबाक कहानियों और सामाजिक मुद्दों पर आधारित फिल्मों के लिए जाने जाते थे। उनकी फिल्में नलया मनीथन, कदवुल, पुराचिक्कारन और कधल कधई ने नास्तिकता, जाति और जेंडर जैसे गंभीर विषयों को बेबाकी से पेश किया। उनकी फिल्मों ने दर्शकों से तारीफ के साथ-साथ आलोचना भी बटोरी। साल 1980 के दशक से लेकर अपने अंतिम समय तक वह सिनेमा जगत में सक्रिय रहे और नई पीढ़ी के प्रेरणा बने। प्रभाकरन की खासियत थी कि वह कम संसाधनों में भी बेहतरीन फिल्में बनाते थे। उनके करीबी बताते हैं कि वह हमेशा नए तरीके अपनाते थे। एक बार उन्होंने केवल मोमबत्तियों की रोशनी में सीन शूट किया था, जो उनकी रचनात्मकता का उदाहरण है।

बलूचिस्तान में बीएलए का बड़ा हमला

क्वेटा। बलूचिस्तान में एक बार फिर हिंसा भड़क उठी है। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर दोहरे हमले की जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया है कि उसने क्वेटा और कलात में 29 जवानों को मार गिराया है। बीएलए की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि उनकी स्पेशल यूनिट फतह स्क्वाड ने क्वेटा में पाकिस्तानी सेना के जवानों को ले जा रही एक बस को निशाना बनाकर आईईडी ब्लास्ट किया। इस विस्फोट में दर्जनों जवानों के हताहत होने की बात कही जा रही है। दूसरे हमले की जानकारी कलात जिले से सामने आई है, जहां बीएलए के लड़ाकों ने एक चेक पोस्ट पर हमला कर भारी नुकसान पहुंचाया। हमले के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल है। हालांकि पाकिस्तानी सेना की ओर से अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन सेना के सूत्रों ने हमले की बात स्वीकार करते हुए हताहतों की संख्या बताने से इनकार किया है।

2300 करोड़ की लागत से बना स्वदेशी निस्तार राष्ट्र को समर्पित

एक भारत, श्रेष्ठ भारत के साथ विकसित होते भारत का प्रतीक है निस्तार : संजय सेठ

- देश के 120 एमएसएमई सेक्टर के सहयोग से तैयार हुआ 10,500 टन का जहाज
- गहरे समुद्र में ऑपरेशन, राहत और बचाव में सक्षम हुआ भारत

एजेंसी

विशाखापत्तनम/रांची। शुक्रवार को विशाखापत्तनम में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने स्वदेशी पोत निस्तार को नौसेना को समर्पित किया। इसके साथ ही भारत दुनिया के उन गिने राष्ट्रों में शामिल हो गया, जिनके पास नौसेना का ऐसा अत्याधुनिक पोत है। इस ऐतिहासिक अवसर पर भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी, कमांड अधिकारी कमांडर अमित सब्रो बनर्जी, पूर्व नौसेना अध्यक्ष एडमिरल सुनील लांबा भी मौजूद रहे। इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के मार्गदर्शन में तैयार हुआ निस्तार आत्मनिर्भर होते भारतीय नौसेना का प्रतीक है। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे मंत्रों ने भारत को जो शक्ति दी है, निस्तार इस शक्ति का सफल परिणाम है। आज भारत रक्षा क्षेत्र में तेजी से आत्मनिर्भरता की तरफ बढ़ा है। हमारे कर्मयोगियों, वैज्ञानिकों के अनथक परिश्रम का परिणाम है कि

हम स्वदेश में निर्मित जहाज का जलावतरण कर रहे हैं, विकसित भारत की तरफ आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे सभी कर्मयोगियों को मैं बधाई देता हूं। उन्हें सैल्यूट करता हूं। श्री सेठ ने कहा कि निस्तार सिर्फ हमारा युद्ध पोत नहीं है, यह समुद्री क्षेत्र में हमारी बढ़ती शक्ति का प्रतीक है। दुनिया के बहुत कम ऐसे देश हैं, जिनके पास ऐसी सामरिक शक्ति वाला जहाज है। 2300 करोड रुपए की लागत से बना यह जहाज 10 मंजिला है। 10,500 टन वजन वाला निस्तार समुद्र की अथक गहराई में भी जाकर राहत और बचाव कार्य करने में सक्षम है। इसमें लगे उपकरण 1000 मीटर तक समुद्र की गहराई में जा सकते हैं और वहां राहत बचाव कार्य कर सकते हैं। इसके निर्माण में टरटए से जुड़े देश की 120 छोटे-बड़े संस्थाओं ने अपनी भागीदारी दी है। निःसंदेह निस्तार अपने नाम को सार्थकता प्रदान करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्रीराजनाथ सिंह जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में आज हमारी समुद्री सीमाएं और भी ज्यादा सुरक्षित और मजबूत हुई हैं। 140 करोड़ देशवासी विकसित भारत 2047 की तरफ कदम बढ़ा रहे हैं। यह भारत के रक्षा क्षेत्र के विकसित होने का प्रमाण है। आत्मनिर्भरता का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के मोटिवेशन से हमारे रक्षा क्षेत्र ने कई ऐतिहासिक और अभूतपूर्व सफलताएं प्राप्त की है। इस अवसर पर छत्रपति शिवाजी महाराज के द्वारा 17वीं शताब्दी में स्थापित किए गए नौसेना को याद करते हुए संजय सेठ ने कहा कि हम छत्रपति शिवाजी की विरासत को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। उनकी प्रेरणा को लेकर आगे बढ़ रहे हैं और राष्ट्र प्रथम के भाव से भारतीय नौसेना काम कर रही है। इसका परिणाम आज पूरी दुनिया देख रही है। इस अवसर पर एडमिरल राजेश पेंडरकर, वाइस एडमिरल राजाराम स्वामीनाथन, एचएसएल के सीएमडी हेमंत खत्री की गरिमामय उपस्थिति रही।

एनसीपी की रैली के दौरान भड़की हिंसा में चार की मौत

- सेना ने संभाला मोर्चा, धारा-144 लागू

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के गोपालगंज शहर में नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) की रैली के दौरान अचानक भड़की हिंसा ने देश की राजनीतिक स्थिति को तनावपूर्ण बना दिया है। विरोध के दौरान अवामी लीग समर्थकों और एनसीपी कार्यकताओं के बीच तीखी झड़पें हुईं, जिसके बाद हालात काबू से बाहर हो गए। इस हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई, जिसके बाद सेना ने मोर्चा संभाला और प्रभावित क्षेत्र में धारा 144 लागू कर दी गई। एनसीपी की रैली के दौरान विगत दिवस अचानक भड़की हिंसा और स्थिति को

नियंत्रित करने के लिए सेना को तैनात किया गया। बताया जा रहा है कि भीड़ को काबू में करने के लिए सेना की ओर से फायरिंग भी की गई। इसमें चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। मृतकों में एक अवामी लीग का सदस्य भी शामिल है, जिसकी पुष्टि खुद पार्टी ने अपने फेसबुक पेज पर की है। अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि रैली के दौरान एनसीपी कार्यकताओं, पत्रकारों और पुलिस पर हमला हुआ तथा कई वाहनों में तोड़फोड़ की गई। उन्होंने इस हिंसा की निंदा करते हुए कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है।घटना के बाद स्थानीय प्रशासन ने गोपालगंज और आस-पास के इलाकों में धारा-144 लागू कर दी है और कर्फ्यू घोषित कर दिया गया है। सरकार ने इस हिंसा की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि अवामी लीग समर्थकों ने रैली में हथियारों का इस्तेमाल किया, जिससे हालात और बिगड़ गए। घटना के बाद बांग्लादेश की राजनीति में उबाल आ गया है। विपक्षी दलों ने इसे सत्ता पक्ष की तानाशाही प्रवृत्ति का उदाहरण बताया, वहीं सरकार ने हिंसा के लिए एनसीपी को जिम्मेदार ठहराया है।

महाराष्ट्र विधानसभा में हिंसक झड़प

मुंबई । महाराष्ट्र विधानसभा में भाजपा के विधायक गोपीचंद पडलकर और शरद पवार की एनसीपी के नेता जितेंद्र अव्हाड के समर्थकों में झड़प गई थी। हिंसक झड़प में कई नेता मुक्के चला रहे हैं और दूसरे का कॉलर पकड़ा हुआ है। विधानसभा के अंदर इस तरह के बवाल से सवाल खड़े हुए हैं। आमतौर पर महाराष्ट्र की राजनीति को समन्वय और सद्भाव के लिए जाना जाता है। दूसरे दलों के नेताओं से भी लोग यहां बहुत सद्भाव से मिलते रहे हैं। इसके बाद इस तरह की झड़प की खूब चर्चा है। इस बीच विपक्ष ने राष्ट्रपति शासन की ही मांग कर दी है। उद्धव ठाकरे शिवसेना गुट के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत का कहना है कि प्रदेश में कानून और व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब है।

गाजा में चर्च पर बमबारी, 3 की मौत

एजेंसी

तेलअवीव। इजरायली सेना ने गाजा पट्टी में एक कैथोलिक चर्च होली फैमिली पर जमकर बमबारी की। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई और करीब एक दर्जन घायल हो गए। चर्च के पादरी गैब्रिएल रोमनल्ली भी शामिल हैं। चर्च परिसर में सैकड़ों फिलिस्तीनी शरण लिए हुए थे जिनमें बच्चे और दिव्यांग लोग भी शामिल थे। इजरायल ने इस हमले को दुर्घटना बताते हुए खेद व्यक्त किया और कहा कि वह इसकी जांच कर रहा है। हमले में चर्च की इमारत को भी काफी नुकसान पहुंचा जहां कई बुजुर्ग और मासूम लोग मौजूद थे। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस हमले को लेकर खेद जताया है। नेतन्याहू ने अपने बयान में कहा, इजरायल को इस बात का गहरा दुख है कि एक भटका हुआ गोला गाजा के होली फैमिली चर्च से टकराया। हर एक निर्दोष व्यक्ति की जान का नुकसान एक त्रासदी है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, मरने वालों में आधे से अधिक महिलाएं और बच्चे हैं। चर्च परिसर में शरण लिए हुए लोगों में ईसाई और मुस्लिम दोनों शामिल थे। ग्रीक ऑर्थोडॉक्स पैट्रिआर्केट ऑफ जेरूसलम ने इस हमले को मानव गरिमा पर हमला बताया और धार्मिक स्थलों की पवित्रता का उल्लंघन माना है। इस बीच, इजरायल और हमास के बीच युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के लिए बातचीत जारी है लेकिन अभी तक कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। पोप लियो ने इस हमले की कड़ी निंदा की और तत्काल युद्धविराम की अपील की है।

चीन ने इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण और खनिजों के भारत भेजने पर लगाई रोक

एजेंसी

नई दिल्ली। ड्रैगन अपनी दगाबाजी से बाज नहीं आ रहा है। इस बार चीन ने भारत की मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री को निशाने पर लिया है। मीडिया रिपोर्ट में इंडस्ट्री संगठन आईसीईए के हवाले से बताया गया है कि चीन ने कुछ अहम उपकरणों और खनिजों का भारत को निर्यात करने से रोक दिया है, जिससे भारत के 32 अरब डॉलर यानी करीब 2.75 लाख करोड़ रुपए के उत्पादन और निर्यात पर संकट मंडराने लगा है। उद्योग जगत ने तत्काल सरकार से इस मामले में दखल देने की अपील की है, ताकि आने वाले खतरे को टाला जा सके। चिंता की बात यह है कि चीन ने कोई आधिकारिक नोटिस या प्रतिबंध जारी नहीं किया। उसने सिर्फ कस्टम अधिकारियों को मौखिक रूप से निर्देश दिए कि भारत को कुछ खास उपकरण और कच्चा माल भेजना बंद कर दें। इसका असर सीधे तौर पर भारत की पीएलआई स्कीम, मेक इन इंडिया अभियान और ग्लोबल सप्लाई चेन में भारत की भागीदारी पर पड़ सकता है। चीन ने न केवल सामान रोक दिया है, बल्कि अपने तकनीकी एक्सपर्ट्स को भी भारत की फैक्ट्रियों में सहयोग देने से मना कर दिया है। इससे कई कंपनियों का उत्पादन ठप होने की नौबत आ गई है।

स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। इस वक्त स्कूलों को बम से उड़ाने धमकियां आए दिन मिल रहीं है। मेल करने वाला कौन है और इसके पीछे का मकसद क्या है इसकी जांच पुलिस कर रही है। इसके बाद भी धमकी देने वालों के हौसले बढ़ रहे हैं। आज शुक्रवार को दिल्ली और बेंगलुरु के 60 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी वाला ई-मेल भेजा गया है। इसकी जानकारी मिलते ही दोनो शहरों में हड़कंप मच गया। दिल्ली में 20 स्कूलों को धमकी मिली है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि सबसे पहली धमकी रोहिणी सेक्टर-3 में स्थित अभिनव पब्लिक स्कूल को मिली थी। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

पाक में बारिश और बाढ़ से तबाही, सैकड़ों घर बने मलवा

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बारिश और बाढ़ से जमकर तबाही हो रही है। यहां सैकड़ो घर पानी में बह गए और कुछ वहीं के वहीं जमींदोज होकर मलवा बन गए है। हालातों को दिखाने लाइव रिपोर्टिंग कर रहा एक पत्रकार पानी के सैलाब में बह गया। रावलपिंडी के चहान डैम के पास बाढ़ की रिपोर्टिंग कर रहा एक पत्रकार तेज बहाव में बह गया। रिपोर्टर गर्दन तक पानी में खड़ा था और उसी हालत में लाइव कवरेज कर रहा था, तभी पानी का जोर ऐसा बढ़ा कि वो खुद भी बहाव का शिकार हो गया। इस वीडियो में रिपोर्टर हाथ में माइक लिए गर्दन तक पानी में खड़ा नजर आता है। कैमरे में सिर्फ उसका

सिर और माइक वाला हाथ दिखता है। रिपोर्टिंग के दौरान ही पानी का बहाव बढ़ता है और पत्रकार धीरे-धीरे बहने लगता है। इस दृश्य ने सोशल मीडिया पर यूजर्स को हैरान और भावुक कर दिया है। कई लोगों ने उसकी हिम्मत की सराहना तो कुछ ने उसकी जान को खतरे में डालने पर सवाल उठाए हैं। इस पूरी घटना ने पत्रकारिता की सीमाओं और जोखिम पर बहस छेड़ दी है। रिपोर्टर की पहचान अभी सामने नहीं आई है। लेकिन उसकी रिपोर्टिंग को असाधारण साहस और बेहद जोखिम भरा कदम दोनों कहा जा रहा है। कई लोगों ने सोशल मीडिया पर कहा कि रिपोर्टिंग करते हुए पत्रकार ने अपनी जान की परवाह नहीं की। जबकि कुछ यूजर्स ने चैनलों की टीआरपी की भूख को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है। अब सवाल ये उठता है कि क्या रिपोर्टिंग के नाम पर जान जोखिम में डालना पत्रकारिता है या मीडिया का अतिउत्साह? ये वीडियो भले ही वायरल हो गया हो, लेकिन यह पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर बड़ा सवाल जरूर छोड़ गया है। पाकिस्तान में 26 जून से लगातार हो रही मूसलधार बारिश ने हालात बेकाबू कर दिए हैं। अब तक कम से कम 116 लोगों की मौत और 250 से अधिक घायल हो चुके हैं। सबसे ज्यादा मौतें पंजाब प्रांत (44 मौतें) में हुई हैं, उसके बाद खैबर पख्तूनख्वा (37), सिंध (18) और बलूचिस्तान (16) में। पाक अधिकृत कश्मीर से भी एक मौत और पांच घायल की जानकारी सामने आई है।

अमृत भारत ट्रेन: मेक इन इंडिया के तहत निर्माण, पूरी तरह स्वदेशी तकनीक

एजेंसी

नई दिल्ली । पुराना संस्करण: अमृत भारत 1.0, नया संस्करण: अमृत भारत 2.0 (पहले से कहीं ज्यादा सुविधाजनक और हाईटेक) अधिकतम गति: 130 किमी/घंटा, लक्ष्य: मध्यम वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर यात्रियों को स्मार्ट, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करना। देशभर में कुल 3 अमृत भारत ट्रेनों का परिचालन,100 नए अमृत भारत रेक तैयार किए जा रहे हैं। बिहार में 2 अमृत भारत ट्रेनों का संचालन- दरभंगा-आनन्द विहार टर्मिनल। सहरसा- लोकमान्य तिलक टर्मिनल। बिहार में जल्द ही 4 अमृत भारत ट्रेनें चलाई जायेंगी।

मालदा टाउन - भागलपुर - लखनऊ (गोमती नगर) अमृत भारत एक्सप्रेस, दरभंगा - लखनऊ (गोमती नगर) अमृत भारत एक्सप्रेस, राजेंद्र नगर टर्मिनल (पटना) नई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस: मालदा टाउन - भागलपुर - लखनऊ (गोमती नगर) अमृत भारत एक्सप्रेस

यात्री सुविधा संबंधी फीचर्स : फोल्डेबल स्नैक्स टेबल, मोबाइल होल्डर, फोल्डेबल बॉटल होल्डर, फास्ट मोबाइल चार्जिंग पोर्ट, बेहतर और आरामदायक सीट। रेडियम इल्यूमिनेटेड फ्लोरिंग स्ट्रिप्स: अंधेरे में भी रास्ता दिखाने वाली लाइटिंग (एयरलाइन स्टाइल) एयर स्प्रिंग बॉडी: झटका-मुक्त सफर का अनुभव। आधुनिक और दिव्यांगजन अनुकूल शौचालय: इलेक्ट्रो न्यूमैटिक फ्लशिंग सिस्टम, ऑटोमैटिक सोप डिस्पेंसर। सुरक्षा और इमरजेंसी: क्रैश ट्यूब युक्त सेमी-ऑटोमैटिक कपलर का उपयोग, ईपी-असिस्टेड ब्रेक सिस्टम की सुविधा। सील्ड गैंगवे और वैक्यूम एवैक्यूशन सिस्टम से लैस,हर कोच में टॉक बैक यूनिट, गैर-एसी कोचों में पहली बार फायर डिटेक्शन सिस्टम की सुविधा।

शिकागो में ट्रम्प के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन

वॉशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की विवादास्पद नीतियों के खिलाफ गुरुवार को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए। अप्रवासियों को डिपोर्ट करने और गरीबों के लिए मेडिकेड सुविधाओं में कटौती के विरोध में 1600 से ज्यादा जगहों पर प्रदर्शन आयोजित हुआ। इन प्रदर्शनों को गुड ट्रबल लिव्स ऑन नेशनल डे ऑफ एक्शन नाम दिया गया है, जो दिवंगत सांसद और ह्यूमन राइट एक्टिविस्ट जॉन लुइस को समर्पित है। आयोजकों ने लोगों से प्रदर्शनों को शांतिपूर्ण रखने की अपील की। शिकागो इन विरोध-प्रदर्शन का मुख्य सेंटर था। दोपहर में शहर के डाउनटाउन में प्रदर्शनकारी एकत्र हुए।

अमेरिका यूक्रेन को दे रहा घातक हथियार

एजेंसी

वॉशिंगटन। रूस और यूक्रेन के बीच का युद्ध रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है। रूस एक तरफ यूक्रेन के गांवों में कब्जा करना शुरू कर चुका है, वहीं दूसरी तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक के बाद एक यूक्रेन को मौत के घातक हथियार सौंप रहे हैं। पहले तो उन्होंने यूक्रेन को रूस के हवाई हमलों से बचने के लिए अपना एडवांस्ड एयर डिफेंस सिस्टम सौंपा और अब इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि वो यूक्रेन को लॉन्ग रेंज मिसाइलें देने पर विचार कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने 14 जुलाई को बताया कि नैटो के साथ एग्रीमेंट के बाद वो यूक्रेन को सबसे घातक

हथियार भी देने पर राजी है। जो लॉन्ग रेंज मिसाइल अमेरिका यूक्रेन को दे सकता है, उसमें सबसे पहला नाम एजीएम-158 जेएएसएसएम का है। ये क्रूज मिसाइल है और इसकी रेंज कम से कम 500 किलोमीटर है, यानि ये यूक्रेन की सीमा से दागी जाए तो रूस के दिल मॉस्को तक तबाही मचा सकती है। इसकी सबसे एडवांस जेएएसएसएम -ईआर मिसाइल 900 किलोमीटर से अधिक दूरी तक निशाना साध सकती है। इस क्रूज मिसाइल में 450 किलोग्राम का वारहेड है, जो रूस की एस-300 हवाई रक्षा प्रणालियों से बच सकता है। यह कम ऊंचाई पर उड़ती है, जिसकी वजह से दुश्मन के रडार की पकड़ में ये नहीं आती।

काइनेटिक ग्रीन और लैम्बोर्गिनी की साझेदारी से वैश्विक बाजार में उतरी इलेक्ट्रिक लग्जरी कार्ट रेंज

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली । भारत की काइनेटिक ग्रीन एनर्जी एंड पावर सॉल्यूशंस लिमिटेड और इटली की टोनिनो लैम्बोर्गिनी एसपीएने मिलकर वैश्विक बाजारों के लिए अपनी शानदार गोल्फ और लाइफस्टाइल कार्ट्स की एक्सभक्लूसिव रेंज को लॉन्चर किया है। ये खूबसूरती से डिजाइन किए गए गोल्फ और लाइफस्टाइल कार्ट्स लक्जरी मोबिलिटी को नया रूप देंगे। यह काइनेटिक ग्रीन की 4-व्हीलर मोबिलिटी सेगमेंट में पहली बार एंट्री और इलेक्ट्रिक वाहन निमार्ता के वैश्विक विस्तार की शुरूआत है। इस साझेदारी में टोनिनो लैम्बोर्गिनी एसपीए का बेजोड़ इतालवी डिजाइन और काइनेटिक ग्रीन की इलेक्ट्रिक वाहन तकनीक का शानदार संयोजन किया गया है। इस लॉन्च समारोह में

भारत के उद्योगऔरवाणिज्यमंत्री, पीयूष गोयल, मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि भारत में इटली के राजदूत, महामहिम डॉ. एंटो नियोबाटोली, सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थितथे, जिसने दोनों देशो के बीच मजब ूत संबंधों को और सुदृढ किया। काइनेटि क ग्रुप के चेयर मैन डॉ. अरुण फिरोदिया और टोनिनोलैम्बोर्गिनी एस पीए के संस्थापक डॉ. टोनिनोलैम्बोर्गिनी प्रमुख विशिष्ट अतिथियों में शामिल थे। इस लॉन्च में वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, प्रमुख गोल्फ उत्साही, प्रमुख उद्योगपति और आतिथ्य क्षेत्र के दिग्गज, साथ हीरा ष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया शामिल हुए। इतालवी डिजाइन और भारती यतकनीक का संगम इतालवी डिजाइन और भारतीय इंजीनियरिंग का एक शानदार मिश्रण, टोनिनोलैम्बोर्गिनी गोल्फ कार्ट एक लक्जरी लाइफस्टाइल स्टेट मेंट है। दुनिया में पहली बार, ये उन्नत इलेक्ट्रिक वाहन - जो इटली में डिजाइन किए गए हैं,का उत्पादन भारत में किया जाएगा और विश्वस्तर पर प्रतिष्ठित टोनिनोलैम्बोर्गिनी ब्रांड के तहत इनकी मार्केटिंग की जाएगी। इसमें प्रतिष्ठित रेड शील्ड् और आइकॉनिक बुल का प्रतीक होगा। टोनिनोलैम्बोर्गिनी विश्व के सबसे प्रतिष्ठित लक्जरी ब्रांड्स में से एक है, जिस डॉ. टोनिनोलैम्बोर्गिनी ने 45 वर्षों से अधिक समय पहले स्थापित किया था। यह शानदार ब्रांड लाइफ स्टाइल को नए अंदाज में पेश करता है और इस में बीस्पोक फर्नीचर, लाइफ स्टाइल एक्सेसरीज, घड़ियाँ, स्मार्ट कैफे फॉर्मेटटीएल रोसो कैफे, प्रतिष्ठित ब्रांडे डरियलए स्टेट से लेकर हॉस्पिटैलिटी तक का व्यवसाय फैल चुका है। इस अनूठे संयुक्त उद्यम द्वारा निर्मित गोल्फ और लाइफ स्टाइल का ट्स बेहद सुंदर और आकर्षक हैं। इ न का डिजाइन एक ऐसी भाषा व्यक्त करता है जो विशिष्ट, बोल्ड, सुरुचिपूर्ण और सदाबहार इतालवी है! बीस्पोकलक्जरीसे लैस,यह गोल्फ कार्ट टोनिनोलैम्बोर्गिनी की विरासत को विस्तार देता है, और एक बेजोड़ सौंदर्य का वादा करता है। टोनिनोलैम्बोर्गिनी गोल्फ और लाइफ स्टाइल कार्ट्स 2-सीटर, 4-सीटर, 6-सीटरऔर8-सीटर कॉन्फिगरेशन में उपलब्ध होंगे और इन्हों चैंपियनशिप गोल्फकोर्स, विशाल लक्जरी रिसॉर्ट्स औरहोटल, विशाल निजी संपत्तियों, विशेष गेटेडसमुदायों, हवाई अड्डों, कॉर्पोरेट कैंपस, बड़ी मनोरंजन संपत्तियों और औद्योगिक सुविधाओं में चलाया जाएगा। विशेष लॉन्च के मौके पर काइनेटिक ग्रीन की संस्थापक और सीईओ डॉ. सुलज्जा फिरोदिया मोटवानी ने अपना उत्साहव्येक्तर करते हुए कहा, लंबे समय से गोल्फ कार्ट बाजार में कुछ नया और खास चाहिए था।

निमिषा प्रिया मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई टाली

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को यमन में मौत की सजा काट रही भारतीय नर्स निमिषा प्रिया के मामले की सुनवाई 14 अगस्त तक के लिए स्थगित की है। यह निर्णय भारतीय अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद आया, इसके चलते 16 जुलाई को होने वाली उसकी निर्धारित फांसी को स्थगित किया गया था।

निमिषा प्रिया को यमन में एक व्यक्ति की हत्या के आरोप में मौत की सजा सुनाई गई थी, जो उसे परेशान कर रहा था। उसकी किस्मत का फैसला अब पीड़ित तलाल अब्दो महदी के परिवार पर निर्भर करता है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया हैं कि निमिषा प्रिया की सुरक्षित

वापसी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और विदेश मंत्रालय (एमईए) सक्रिय रूप से उसकी सहायता कर रहा है, जिसमें शरिया कानून के तहत क्षमादान या माफी के विकल्प तलाशना भी शामिल है। भारत के हूती विद्रोहियों के साथ कोई राजनयिक संबंध नहीं हैं, जिससे मामला और जटिल हो जाता है।

रिलायंस रिटेल ने किया केल्विनेटर का अधिग्रहण

- भारतीय उपभोक्ता बाजार में नए युग की शुरूआत
- यह अधिग्रहण रणनीतिक रूप से रिलायंस रिटेल के महत्वाकांक्षी जीवन को लोकतांत्रिक बनाने के दृष्टिकोण के अनुरूप है
- केल्विनेटर का अधिग्रहण एक महत्वपूर्ण क्षण है, जो हमें भारतीय उपभोक्ताओं के लिए विश्वसनीय वैश्विक नवाचारों की अपनी पेशकश का व्यापक विस्तार करने में सक्षम बनाता है

एजेंसी

मुंबई। रिलायंस रिटेल ने आज केल्विनेटर के ऐतिहासिक अधिग्रहण की घोषणा की। यह एक रणनीतिक कदम है जो भारत के तेजी से बढ़ते उपभोक्ता टिकाऊ वस्तु क्षेत्र में कंपनी के नेतृत्व को और मजबूत करेगा। यह अधिग्रहण देश भर के उपभोक्ताओं को बेजोड़ मूल्य और विकल्प प्रदान करके भारत में उपभोक्ता टिकाऊ वस्तु क्षेत्र के भविष्य को आकार देने के लिए रिलायंस रिटेल की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। केल्विनेटर एक सदी से भी अधिक समय से विश्वास और नवाचार का पर्याय रहा है जिसने घरेलू उपयोग के लिए इलेक्ट्रिक रेफ्रिजरेशन में वैश्विक स्तर पर अग्रणी भूमिका निभाई है। भारत में इसने 1970 और 80 के दशक में अपनी यादगार टैगलाइन द कूलेस्ट वन के साथ एक प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त किया और अपनी अत्याधुनिक तकनीक, उत्कृष्ट प्रदर्शन, स्थायी गुणवत्ता और असाधारण मूल्य के लिए आज भी सम्मानित है। यह अधिग्रहण रणनीतिक रूप से रिलायंस रिटेल के महत्वाकांक्षी जीवन को लोकतांत्रिक बनाने के दृष्टिकोण के अनुरूप है। केल्विनेटर की नवाचार की समृद्ध विरासत को रिलायंस रिटेल के विशाल और अद्वितीय खुदरा नेटवर्क के साथ एकीकृत करके कंपनी भारत भर में तेजी से बढ़ते प्रीमियम घरेलू उपकरणों के बाजार में उपभोक्ताओं के लिए पर्याप्त मूल्य प्राप्त करने और विकास को गति देने के लिए तैयार है। यह तालमेल सुनिश्चित करेगा कि उच्च-गुणवत्ता वाले, वैश्विक रूप से मानकीकृत उत्पाद हर भारतीय परिवार के लिए सुलभ हों और उनके दैनिक जीवन को बेहतर बनाएं। रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड की कार्यकारी निदेशक ईशा एम अंबानी ने कहा है कि हमारा मिशन हमेशा से तकनीक को सुलभ, सार्थक और भविष्य के लिए तैयार बनाकर हर भारतीय की विविध आवश्यकताओं को पूरा करना रहा है। केल्विनेटर का अधिग्रहण एक महत्वपूर्ण क्षण है, जो हमें भारतीय उपभोक्ताओं के लिए विश्वसनीय वैश्विक नवाचारों की अपनी पेशकश का व्यापक विस्तार करने में सक्षम बनाता है। यह हमारे बेजोड़ पैमाने, व्यापक सेवा क्षमताओं और बाजार में अग्रणी वितरण नेटवर्क द्वारा सशक्त रूप से समर्थित है। केल्विनेटर को अपने मजबूत नेटवर्क में शामिल कर रिलायंस रिटेल रणनीतिक रूप से श्रेणी विकास में तेजी लाने, उपभोक्ता जुड़ाव को गहरा करने और भारत के गतिशील उपभोक्ता टिकाऊ वस्तु बाजार में दीर्घकालिक अवसरों को खोलने के लिए तैयार है। यह कदम रिलायंस रिटेल की महत्वाकांक्षा को मजबूत करता है।

बिखरे परिवार में बेटी की मजबूती को अनोखे अंदाज में पेश किया

एजेंसी

मुंबई। सोनी सब एक नई संवेदनशील कहानी इत्ती सी खुशी जो आदर्श परिवारों के चमकदार चित्रण से परे जाकर एक सच्चाई को उजागर करता है। हाल ही में रिलीज हुआ इसका प्रोमो काफी चर्चा में है, जो एक ऐसी बेटी की शांत लेकिन सशक्त ताकत को सलाम करता है जो अपने पांच भाई-बहनों और रंग-बिरंगे, उलझे हुए परिवार की रीढ़ बन जाती है। प्रोमो में अन्विता जो दिवेकर परिवार की धुरी है, एक अस्त-व्यस्त घर और अनकहे ज़िम्मेदारियों के बीच फंसी नजर आती है। उसे कम उम्र में ही देखभाल करने वाले की भूमिका निभानी पड़ती है, क्योंकि उसके पिता की लापरवाही और शराब की लत के चलते घर की सारी जिम्मेदारियां उस पर आ जाती हैं। स्कूल रिपोर्ट कार्ड पर हस्ताक्षर करना हो या उस वक़्त मजबूती से खड़ा रहना जब उसका शराबी पिता उनके इकलौते घर को बेच देता है - प्रोमो में दिखाया गया है कि वह सिर्फ एक अभिभावक नहीं, बल्कि अपने टूटते हुए संसार की स्थिरता बन जाती है। उन्होंने आगे कहा, प्रोमो की शूटिंग करना एक खास अनुभव था- हमने एक मुंबई के आम मोहल्ले की जीवंतता को जीवंत किया और रजत वर्मा और वरुण सर के साथ वह अनुभव और भी यादगार बन गया। मुंबई की एक मध्यमवर्गीय बस्ती की पृष्ठभूमि में रचा गया यह शो एक ऐसे घर की कच्ची, बिखरी लेकिन कभी-कभी हल्की-फुल्की कहानियों को दर्शाता है जो बिखरने के कगार पर है।

खास खबर

एसयूवी जिम्नी अगस्त में नए फेसलिफ्ट वर्जन में होगी लांच

नई दिल्ली। अगस्त 2025 में अपनी लोकप्रिय एसयूवी जिम्नी को सुजुकी नए फेसलिफ्ट वर्जन में लॉन्च करेगी। इसकी डिजाइन में छोटे-मोटे कॉस्मेटिक बदलाव किए जा सकते हैं, लेकिन इसका मूल आकर्षण बरकरार रहेगा। यह नई जिम्नी अपने क्लासिक रेट्रो और बॉक्सी डिजाइन के लिए जानी जाती है, और इस बार भी यही इसकी पहचान बनी रहेगी। यह एसयूवी एक कॉम्पैक्ट, हल्की और मजबूत ऑफ-रोडर जो शहरी और बीहड़ दोनों तरह के रास्तों के लिए मुफीद है। सबसे बड़ा बदलाव इसकी सेफ्टी फीचर्स में देखने को मिलेगा। नई जिम्नी में सुजुकी सेफटी सपोर्ट सिस्टम जोड़ा जाएगा जिसमें डुअल कैमरा बेस्ड एडीएसएस, ऑटोमैटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग, एडॉप्टिव क्रूज कंट्रोल (ऑटोमैटिक वेरिएंट्स में), रिवर्स ब्रेकिंग सपोर्ट और रियर क्रॉस ट्रैफिक अलर्ट जैसे एडवांस फीचर्स शामिल होंगे।

इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल वीएफ6 और वीएफ7 की बुकिंग शुरू

नई दिल्ली। विनफास्ट ऑटो इंडिया ने भारत में अपनी प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल वीएफ6 और वीएफ7 की बुकिंग शुरू कर दी। बुकिंग उसी दिन शुरू हुई जब अमेरिकी ईवी कंपनी टेस्ला ने मुंबई में अपना पहला शोरूम खोला। इस साल की शुरूआत में भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो में विनफास्ट ने इन मॉडलों को शोकेस किया था। ग्राहक रुपए 21,000 की पूरी तरह रिफंडेबल राशि देकर विनफास्ट के शोरूम या आधिकारिक वेबसाइट से बुकिंग कर सकते हैं। अगस्त में तमिलनाडु के थूथुकुडी में बन रही विनफास्ट की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट के उद्घाटन के बाद इन गाड़ियों की बिक्री और डिलीवरी शुरू होगी। कंपनी के अनुसार वीएफ6 और वीएफ7 भारतीय सड़कों और कंज्यूमर्स की जरूरतों के मुताबिक डिजाइन किए गए हैं, जो एक बार चार्ज पर शानदार रेंज देंगे और डेली सिटी राइड से लेकर वीकेंड गेटअवे तक के लिए उपयुक्त हैं। वीएफ7 एक प्रीमियम और डायनामिक इलेक्ट्रिक एसयूवी है जिसमें लेवल 2 एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएसएस), बड़ा टचस्क्रीन, पैनोरमिक ग्लास रूफ, कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी, वायरलेस चार्जिंग और सिग्नेचर एलईडी लाइटिंग दी गई है।

भारतीय बाजार में मोटरसाइकिल रैंजर प्रो और रैंजर प्रो प्लस लांच

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में कोमाकी इलेक्ट्रिक कंपनी ने अपनी नई क्रूजर स्टाइल इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल रैंजर प्रो और रैंजर प्रो प्लस को लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इन बाइक्स को उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया है, जो प्रैक्टिकल उपयोग के साथ क्रूजर लुक वाली इलेक्ट्रिक बाइक की तलाश में हैं। रैंजर प्रो की कीमत रुपए 1,29,999 और प्रो प्लस की कीमत रुपए 1,39,999 रखी गई है। दोनों मॉडलों की कीमत में रुपए 12,500 की एक्सेसरीज भी शामिल हैं। दोनों मॉडलों में 4.2केडब्ल्यू का एलआईपीओ4 बैटरी पैक दिया गया है। एक बार फुल चार्ज पर रैंजर प्रो 160 से 220 किलोमीटर और रैंजर प्रो प्लस 180 से 240 किलोमीटर तक की रेंज देने में सक्षम है।

गोयल ने युवाओं से 2047 तक विकसित भारत के निर्माता बनने का आह्वान किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को युवाओं से 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि नीति निर्माण में योगदान देने के लिए सक्षम एवं प्रतिबद्ध व्यक्तियों की जरूरत है। केंद्रीय मंत्री नोएडा स्थित श्रीराम मिलेनियम स्कूल में भारत के अंतरराष्ट्रीय राष्ट्र एकीकरण आंदोलन (आईआईएमयूएन) सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। पीयूष गोयल ने युवाओं से भारत के भविष्य की जिम्मेदारी संभालने का आग्रह किया और कहा कि कल के भारत के परिवर्तनकर्ता और प्रेरक बनें। उन्होंने कहा कि सामूहिक संकल्प के साथ, हम हर चुनौती पर विजय पा सकते हैं और अपने राष्ट्र को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं। गोयल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत एक बड़े परिवर्तन के मुहाने पर खड़ा है। 15 अगस्त, 2022 को प्रधानमंत्री के संबोधन को याद करते हुए उन्होंने कहा कि अमृत काल की 25 वर्ष की अवधि 2047 में भारत की स्वतंत्रता की शताब्दी तक ले जाएगी। उन्होंने विस्तार से बताया कि पांच प्रतिज्ञाओं में से पहली प्रतिज्ञा भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प है। गोयल ने कहा कि यह प्रतिबद्धता तभी साकार हो सकती है, जब हम शेष चार प्रतिज्ञाओं को भी उतनी ही गंभीरता से अपनाएं।

- नीति निर्माण में योगदान देने के लिए सक्षम एवं प्रतिबद्ध व्यक्तियों की जरूरत
- कल के भारत के परिवर्तनकर्ता और प्रेरक बनें
- भारत एक बड़े परिवर्तन के मुहाने पर खड़ा है

लीव बोरिंग बिहाइंड : नई बीएमडब्ल्यू 2 सीरीज ग्रैन कूपे भारत में लांच

एजेंसी

रांची। भारत में आज न्यू बीएमडब्ल्यू 2 सीरीज ग्रैन कूपे लॉन्च हो गई है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप प्लांट चेन्नई में स्थानीय रूप से निर्मित सेकंड-जेनरेशन ठडॅ 2 सीरीज ग्रैन कूपे भारत में सिर्फ पेट्रोल पावरट्रेन में उपलब्ध होगी। ग्राहक इसे देशभर के सभी बीएमडब्ल्यू डीलरशिप्स पर बुक कर सकते हैं, और इसकी डिलीवरी आज से शुरू हो गई है। बीएमडब्ल्यू 2 सीरीज ग्रैन कूपे ने अपनी बेमिसाल डिजाइन और स्पोर्टी ड्राइविंग स्टाइल के दम पर खुद की अलग पहचान बनाई है। यह प्रीमियम कॉम्पैक्ट सेगमेंट में स्टाइल के साथ मजबूती और ग्रैन कूपे सिल्हूट चाहने वाले युवा शहरी ग्राहकों के बीच काफी तेजी से पसंदीदा बन गया है। विक्रम पावाह, प्रेसिडेंट और सीईओ, बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने कहा, न्यू बीएमडब्ल्यू 2 सीरीज ग्रैन कूपे जहां भी जाती है, अपने स्पोर्टी सिल्हूट और बोल्ड डिजाइन से सभी का ध्यान खींचती है। इसके एक्सटीरियर और इंटीरियर में दी गई लग्जरी फिनिश और एटीट्यूड इसे बेहद स्टाइलिश बनाते हैं। यह एक ऐसी कार है जो न सिर्फ अपने ड्राइवर की पर्सनैलिटी को दर्शाती है, बल्कि उसे और निखारती है।

टाटा कंज्यूमर फंड में 5 करोड़ रुपये का किया निवेश

एजेंसी

जमशेदपुर। ग्रामीण इलाकों में लोगों की बढ़ती आय और सामान्य मानसून की संभावना भारत में कंजम्पशन में आशावाद को जगा रही है। कंजम्पशन पर आधारित म्यूचुअल फंडों ने 2024 में निवेशकों को काफी आकर्षित किया है। 2025 की शुरूआत में एक छोटे से झटके के बाद, व्यापक बाजार की तरह मार्च से इस श्रेणी में उछाल आया है। कंजम्पशन फंडों में, टाटा इंडिया कंज्यूमर फंड निवेशकों के लिए विचार करने योग्य निवेश विकल्पों में से एक है। टाटा इंडिया कंज्यूमर फंड की मासिक औसत प्रबंधनाधीन संपत्ति 30 जून, 2025 तक 2,457.4 करोड़ रुपये तक पहुँच गई, जिसमें 31 मार्च, 2024 के 1,457 करोड़ रुपये से 69 फीसदी की वृद्धि हुई है। निवेश के संदर्भ में, टाटा म्यूचुअल फंड के आंतरिक आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2024 से जून 2025 के बीच टाटा इंडिया कंज्यूमर फंड में जमशेदपुर से 5 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। टाटा एसेट मैनेजमेंट की सीनियर फंड मैनेजर सोनम उदासी ने कहा, 'भारत में कंजम्पशन एक स्ट्रक्चरल थीम बनी हुई है।

एयरटेल और पर्प्लेक्सिटी की साझेदारी :

36 करोड़ ग्राहकों को मिलेगा पर्प्लेक्सिटी प्रो का सालभर फ्री एक्सेस

एजेंसी

रांची। भारती एयरटेल ने पर्प्लेक्सिटी के साथ साझेदारी की है, जिसके तहत वह अपने सभी 36 करोड़ ग्राहकों को पर्प्लेक्सिटी प्रो का 12 महीने का सब्सक्रिप्शन बिल्कुल मुफ्त उपलब्ध कराएगा। पर्प्लेक्सिटी एक आधुनिक जनरेटिव एआई टूल है, जो पारंपरिक सर्च इंजन के मुकाबले कहीं ज्यादा तेज, सटीक और गहराई से रिसर्च किए गए जवाब, यूजर को संवाद शैली में उपलब्ध कराता है। यह केवल वेबसाइट लिंक्स दिखाने की बजाय ऐसा उत्तर देता है, जिसे सीधे पढ़ा और समझा जा सके और जिसे यूजर अपनी जरूरत के अनुसार एआई से संवाद कर और बेहतर बना सकता है। पर्प्लेक्सिटी की एक फ्री सेवा भी मौजूद है, जिसमें बेसिक सर्च फीचर्स मिलते हैं। लेकिन पर्प्लेक्सिटी प्रो वर्जन खासतौर पर प्रोफेशनल्स और हेवी यूजर्स के लिए बनाया गया है। इसमें रोजाना अधिक प्रो सर्च की सुविधा, एडवांस एआई मॉडल्स (जैसे जीपीटी-4.1, क्लॉड आदि) का एक्सेस, मॉडल चयन की सुविधा, डीप रिसर्च, इमेज जनरेशन, फाइल अपलोड व एनालिसिस, और पर्प्लेक्सिटी पर्प्लेक्सिटी लैब्स जैसे इनोवेटिव टूल्स मिलते हैं, जो किसी भी विचार को वास्तविकता में बदलने में मदद करते हैं। इस सब्सक्रिप्शन की वैश्विक कीमत रु17,000 सालाना है।

कई गंभीर बीमारियों से बचाने में सहायक है लहसुन

नई दिल्ली। प्रत्येक भारतीयों की रसोई में पाए जाने वाली लहसुन के तीखे स्वाद और खास खुशबू के पीछे कई औषधीय गुण छिपे हैं। लहसुन में मौजूद पोषक तत्व हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में मदद करते हैं और कई गंभीर बीमारियों से बचाने में भी सहायक होते हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि इसमें एलिसिन नामक तत्व होता है, जो एक प्राकृतिक औषधि की तरह काम करता है। इसके अलावा इसमें एंटी वायरल, एंटी फंगल और एंटी ऑक्सीडेंट गुण भी होते हैं। लहसुन विटामिन ए, बी और सी के साथ-साथ सल्फ्यूरिक एसिड का भी अच्छा स्रोत है, जो सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। यही वजह है कि यह खाने में स्वाद और सेहत दोनों जोड़ता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि लहसुन हर किसी के लिए पूरी तरह सुरक्षित है। आयुष विशेषज्ञों के मुताबिक, लहसुन का ज्यादा या गलत समय पर सेवन कई लोगों के लिए नुकसानदेह भी हो सकता है। खासकर खाली पेट लहसुन खाना हानिकारक माना जाता है, क्योंकि इससे पेट में जलन और असहजता बढ़ सकती है।

टाटा प्ले बिंज पर अब देखने को मिलेगा प्रसार भारती का वेव्स ओटीटी

एजेंसी

रांची। टाटा प्ले बिंज पर प्रसार भारती का ओटीटी प्लेटफॉर्म, वेव्स उपलब्ध हो गया है। यह ऐप टाटा प्ले बिंज को और ज्यादा विशाल ग्राहकों के बीच पहुँचाने में मदद करेगा। वेव्स पर सांस्कृतिक और परिवार के साथ बैठकर देखा जा सकने वाला मनोरंजन उपलब्ध है। यहाँ पर क्षेत्रीय, सांस्कृतिक, हिंदी और सदाबहार कार्यक्रम देखे जा सकते हैं। इस साझेदारी द्वारा दूरदर्शन के कार्यक्रम एक ही सदस्यता में टाटा प्ले बिंज पर देखे जा सकेंगे।टाटा प्ले बिंज के दर्शक वेव्स पर उपलब्ध सभी कार्यक्रम देख सकते हैं। यहाँ पूरे परिवार के लिए अलग-अलग इलाकों और संस्कृतियों से जुड़ा मनोरंजन मिलता है। 12 भारतीय भाषाओं में 20,000 से अधिक घंटों के मनोरंजन के साथ वेव्स पर ब्योमकेश बक्षी, फौजी और हम लोग जैसे धारावाहिक देखे जा सकते हैं। साथ ही सरपंच साहब, जाईये आप कहाँ जाएंगे, और डेला बेला जैसे लोकप्रिय आधुनिक कार्यक्रम भी उपलब्ध हैं। इसके अलावा, अयोध्या से प्रभु श्री राम लला जी की आरती, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात, और कबड्डी विश्वकप, जर्मन फुटबॉल कप प्रतियोगिता - पोकल, हॉकी इंडिया लीग आदि का सीधा प्रसारण भी देख जा सकता है। ओटीटी के साथ प्रसारण द्वारा इस प्लेटफॉर्म पर 35 से अधिक लाईव टीवी चैनल उपलब्ध हो गए हैं, जिससे दर्शकों को टेलीविजन की पारंपरिकता का अनुभव ओटीटी स्ट्रीमिंग के साथ लेने का मौका मिलेगा। टाटा प्ले की चीफ कमर्शियल एवं कंटेंट ऑफिसर, पल्लवी पुरी ने कहा, टाटा प्ले बिंज ओटीटी कंटेंट को हर भारतीय तक आसानी से पहुँचाने के लिए शुरू किया गया था। प्रसार भारती के साथ हमारी यह साझेदारी उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 501 अंकों नीचे आकर 81,757.73 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 143 अंक टूटकर 24,968.40 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी पर विप्रो, टाटा स्टील, ओएनजीसी, इंडसइंड बैंक और इंफोसिस के सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि एक्सिस बैंक, श्रीराम फाइनेंस, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एचडीएफसी लाइफ के शेयर गिरावट पर बंद हुए। कारोबार के दौरान बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक 0.5-0.5 फीसदी नीचे रहा। धातु को छोड़कर आज सभी प्रमुख क्षेत्रों में गिरावट रही। वित्तीय क्षेत्र में सबसे ज्यादा गिरावट आई। एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर नीचे गिरे।

एआई केंद्रित इन्फ्रास्ट्रक्चर से आईटी खर्च 5.43 ट्रिलियन डॉलर पहुंचने की उम्मीद

एजेंसी

नई दिल्ली। 2025 में दुनिया भर में आईटी खर्च 5.43 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है, जो 2024 की तुलना में 7.9 फीसदी से ज्यादा है। इसकी वजह एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर पर ज्यादा फोकस है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में सामने आई। रिपोर्ट में अनुमान लगाया है कि मौजूदा भू-राजनीतिक परिदृश्य के कारण कारोबार में मंदी के बावजूद एआई केंद्रित इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च आईटी क्षेत्र में खर्च को बढ़ावा देगा। गार्टनर के विशिष्ट उपाध्यक्ष विश्लेषक जॉन-डेविड लवलॉक ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितता में वृद्धि के कारण शुद्ध-नए खर्च पर व्यावसायिक विराम है, लेकिन एआई और जनरेटिव एआई (जेनएआई) डिजिटलीकरण पहलों के कारण यह प्रभाव कम हो रहा है। अनिश्चितता के कारण 2025 में सॉफ्टवेयर और सेवाओं पर खर्च की वृद्धि धीमी होने की उम्मीद जताई जा रही है, लेकिन डेटा सेंटर सिस्टम जैसे एआई से संबंधित इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च में वृद्धि जारी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि जेनएआई के कारण डेटा केंद्रों में तेजी देखी जा रही है और एआई अनुकूलित सर्वरों पर खर्च जो 2021 में करीब न के बराबर था, 2027 तक पारंपरिक सर्वरों की तुलना में तीन गुना बढ़ने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रतिस्पर्धात्मकता एक प्रमुख कारण है, जिसके कारण कंपनियां इस बिगड़ते परिवेश में टेक्नोलॉजी और व्यावसायिक परिवर्तन में निवेश करेंगे। रिपोर्ट में कहा गया कि 2025 की दूसरी तिमाही की शुरूआत से ही एक अनिश्चितता विराम शुरू हो गया है, जिसमें आईटी समेत कई विभागों में नए इनिशिएटिव का रणनीतिक निलंबन शामिल है। यह विराम बढ़ती अनिश्चितता और भू-राजनीतिक जोखिमों के कारण है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके जवाब में, वैश्विक कॉर्पोरेट क्षेत्र ज्यादा सावधानी बरत रहा है, क्योंकि संगठन इन बहुआयामी चुनौतियों के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। सर्वेक्षण में दावा किया गया है कि 61 फीसदी कंपनियों ने 2025 की शुरूआत पिछले साल की इस अवधि की तुलना में बेहतर स्थिति में की है।

देश में 30 साल पहले हुई थी पहली मोबाइल कॉल, कारोबारी मनाएंगे जश्न : कैट

- भारत में मोबाइल फोन के 30 वर्षों का सफर पूरा होने पर दिल्ली एवं कोलकाता में जश्न

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में 30 साल पहले 31, जुलाई, 1995 को पहली बार मोबाइल कॉल के साथ मोबाइल टेलीफोनी की शुरूआत हुई थी। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन (एमरा) और ऑर्गनाइज्ड रिटेलर्स एसोसिएशन (ओरा) के संयुक्त तत्वावधान में 31 जुलाई को नई दिल्ली और कोलकाता में भव्य आयोजन किया जाएगा, जो भारत में मोबाइल टेलीफोनी की 30 वर्षों की यात्रा का उत्सव होगा। सांसद एवं कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने शुक्रवार को कहा मोबाइल कॉल के तीन दशक पूरे होने पर मोबाइल कारोबारी जश्न मनाने जा रहे हैं। इस दौरान दिल्ली में मोबाइल इतिहास प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इन वर्षों में मोबाइल उद्योग ने शुरूआती फीचर फोन से लेकर अत्याधुनिक एआई-सक्षम स्मार्टफोन तक का सफर तय किया है। खंडेलवाल ने कहा कि 31 जुलाई 1995 को भारत में पहली मोबाइल कॉल की गई थी, जो उस समय के केंद्रीय दूरसंचार मंत्री सुखराम और पश्चिम बंगाल के तत्कालीन मुख्यमंत्री ज्योति बसु के बीच हुई थी। यह क्षण भारत के मोबाइल युग की शुरूआत का प्रतीक बना। बीते तीन दशकों और विशेष रूप से पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा टेलीकॉम बाजार बन गया है। खंडेलवाल ने कहा कि दिल्ली में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में विशेष मोबाइल इतिहास प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिसमें 1995 से 2025 तक के मोबाइल हैंडसेट्स की झलक देखने को मिलेगी, जिसमें शुरूआती फीचर फोन से लेकर अत्याधुनिक एआई-सक्षम स्मार्टफोन तक शामिल रहेंगे।

मोबाइल यात्रा को दो चरणों में दर्शाएगी यह प्रदर्शनी

-इसमें पहली प्रदर्शनी 1995 से 2013 तक के पूर्ववर्ती सरकारों के अधीन नींव रखने वाला कालखंड होगा, जबकि दूसरा 2014 से 2025 तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तेजी से हुई डिजिटल प्रगति का युग होगा। इस प्रदर्शनी में 2-जी से 5-जी तक नेटवर्क के विकास और यूपीआई, टेलीमेडिसिन, डिजिटल मनोरंजन, ई-कॉमर्स समेत विभिन्न क्षेत्रों में मोबाइल के नेतृत्व में आई क्रांतियों को प्रदर्शित किया जाएगा।

खास खबर

छह हफ्ते तक मैदान से दूर रहेंगे बेलिंगहैम

नई दिल्ली। रियल मैड्रिड के मिडफील्डर जूड बेलिंगहैम को आखिरकार अपने कंधे की लगातार बढ़ती समस्या के चलते सर्जरी करानी पड़ी है। क्लब ने पुष्टि की है कि सर्जरी सफल रही है और अब बेलिंगहैम करीब छह हफ्तों तक मैदान से दूर रहेंगे। इसका असर उनकी उपलब्धता पर साफ नजर आएगा, क्योंकि वह ला लीगा के शुरूआती मैचों में नहीं खेल पाएंगे और चैंपियंस लीग के कुछ मुकाबले भी मिस कर सकते हैं। बेलिंगहैम को नवंबर 2023 में पहली बार कंधे में चोट लगी थी, जब एक मैच के दौरान उनका कंधा खिसक गया था। इसके बाद से ही वह सपोर्ट ब्रेस पहनकर खेलते आ रहे थे। उन्होंने क्लब वर्ल्ड कप तक सर्जरी टाल दी ताकि टीम को उस प्रतियोगिता में अपनी सेवाएं दे सकें, लेकिन रियल मैड्रिड की टीम सेमीफाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन से हारकर बाहर हो गई। क्लब की मेडिकल टीम की देखरेख में डॉक्टर मैनुएल लेयेस और एंड्रयू वालेस ने बेलिंगहैम की सर्जरी की। क्लब ने बताया कि यह ऑपरेशन बार-बार कंधा खिसकने की समस्या को दूर करने के लिए किया गया है और अब बेलिंगहैम रिकवरी की प्रक्रिया से गुजरेंगे।

शमी की पत्नी हसीन जहां मारपीट मामले में फंसी

कोलकाता । क्रिकेटर मोहम्मद शमी से घरेलू हिंसा और कई अन्य मामलों में तलाक का मामला लड़ रहीं उनकी पत्नी हसीन जहां हमेशा विवादों में रहीं हैं। अब हसीन पर हत्या की कोशिश का मामला दर्ज हुआ है। हसीन के अलावा उनकी बेटी अर्शी जहां के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज कराया गया है। हसीन पर ये मामला पड़ोसी ने दर्ज कराया है। इसका एक वीडियो भी आया हे। इसमें दावा किया जा रहा है कि हसीन जहां अपने पड़ोसियों से झगड़ा कर रही हैं। ये वीडियो पश्चिम बंगाल के बीरभूम का बताया जा रहा है। खबरें हैं कि हसीन जहां और उनकी बेटी अर्शी ने जमीन विवाद को लेकर पड़ोसियों के साथ मारपीट भी की। दावा किया जा रहा है कि हसीन जहां गैर कानूनी ढंग से जमीन पर कब्जा करना चाहती हैं, जिसका पड़ोसी विरोध कर रहे थे।

रिचर्ड्स से मिलने का अवसर मिला : लारा

जमैका। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाजों में शामिल रहे ब्रायन लारा ने कहा है जब उन्होंने पहला टेस्ट खेला था तो वह उन्हें महान क्रिकेटर विवियन रिचर्ड्स से मिलने का अवसर मिला था। लारा के अनुसार तब टीम में कई स्टार खिलाड़ी थे। इसी को लेकर लारा ने कहा, लारा ने कहा, मुझे रिचर्ड्स के साथ खेलने का अवसर मिला। मेरा पहला टेस्ट मैच त्रिनिदाद में था और मुझे बोर्ड से पत्र मिला, आप टीम में हैं. कल सुबह 9 बजे अभ्यास के लिए रिपोर्ट करें।ह्व मैं सुबह 8 बजे वहां पहुंच गया, मैंने अपने भाई के साथ क्वीन पार्क ओवल में अभ्यास किया और फिर टीम आई। उसमें विव रिचर्ड्स, गॉर्डन ग्रीनिज, डेसमंड हायन्स, मैल्कम मार्शल, जैसे बड़ी खिलाड़ी शामिल थे। लारा ने कहा, उन दिनों ड्रेसिंग रूम बहुत छोटा था और मैंने अपने भाई से कहा, अब मुझे अपने टीम के साथियों से मिलना चाहिए।

दूसरा एकदिवसीय मैच में भी जीत हासिल करने उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

एजेंसी

लंदन । भारतीय महिला क्रिकेट टीम शनिवार को मेजबान टीम इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में दूसरे एकदिवसीय मैच में भी जीत हासिल कर तीन मैचों की सीरीज अपने नाम करने उतरेगी। भारतीय टीम ने पहला एकदिवसीय मैच साउथम्प्टन के मैदान पर चार विकेट से जीता था जिससे वह इस सीरीज में 1-0 से आगे है। पहले टेस्ट में भारतीय बल्लेबाज और गेंदबाजों मेजबान टीम पर भारी पड़े थे। इससे भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। आगामी

महिला एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए भारतीय टीम के लिए ये सीरीज बेहद अहम है। भारतीय टीम की कई खिलाड़ियों ने अब तक जबरदस्त खेल दिखाया है। तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर और पूजा वस्त्राकर चोटिल होने के कारण इस सीरीज में नहीं खेल रही हैं पर टीम में शामिल युवा खिलाड़ियोंने ने उनकी कमी महसूस नहीं होने दी है। शीर्ष क्रम में स्मृति मंधाना की जोड़ीदार के तौर पर प्रतीका रावल ने अच्छा प्रदर्शन किया है। शेफाली वर्मा और हरलीन देओल भी फार्म में आ गयी है। अगर शेफाली अंतिम एकादश में शामिल रहती हैं तो प्रतीका को तीसरे नंबर पर उतारा जाएगा। ऐसे में हरलीन को टीम में जगह मिलना कठिन होगा। हरमनप्रीत, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा और ऋचा घोष जैसी खिलाड़ी टीम में शामिल हैं।

चौथे टेस्ट में करुण की जगह सुदर्शन को शामिल करें : दीप दासगुप्ता

एजेंसी

मुम्बई । आठ साल के बाद टीम में वापसी करने वाले बल्लेबाज करुण नायर को मैनचेस्टर में मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में शायद ही शामिल किया जाये। इसका कारण है कि करुण शुरूआती तीनों में असफल रहे हैं। वहीं भारतीय टीम इस सीरीज में 1-2 से पीछे है। ऐसे में इस मैच में टीम का बदलावों से उतरना तय है। आठ साल बाद अंतिम एकादश में वापसी करने वाले करुण अपनी छह पारियों में से ज्यादातर में अच्छी शुरूआत का लाभ नहीं उठा पाये। वह उसे बड़ी पारी में नहीं बदल पाए हैं। पिच पर लेंथ से आती हुई उछाल लेती गेंदों से वह परेशान दिखे। ऐसे में कहा जा रहा है कि एक ही मैच के बाद बाहर किये गये बल्लेबाज साई सुदर्शन को करुण की जगह उतारा जाना चाहिय। पूर्व भारतीय

विकेटकीपर दीप दासगुप्ता ने भी करुण की जगह पर सुदर्शन को शामिल करने कहा है। भारतीय टीम को उम्मीद थी कि तीसरे नंबर पर करण के आने से बल्लेबाजी बेहतर होगी पर ऐसा नहीं हो पाया। इन हालातों को देखते हुए अब टीम प्रबंधन को फैसला लेना होगा कि नायर के साथ बने रहें या फिर युवा सुदर्शन को एक और अवसर दें। पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज दासगुप्ता का कहना है कि सुदर्शन को वापस लाने का समय आ गया है। उन्होंने कहा, आप अब भी सीरीज में बने हुए हैं क्योंकि लॉर्ड्स टेस्ट मैच भी बेहद करीबी था।

स्टैग्स और राइडर्स के बीच मुकाबला रद्द

एजेंसी

प्रोविडेंस स्टेडियम। एक्सॉनमोबिल गुयाना ग्लोबल सुपर लीग (जीएसएल) के ग्रुप स्टेज का अंतिम मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया, जिससे गत चैंपियन रंगपुर राइडर्स लगातार चौथी जीत दर्ज करने से चूक गई। प्रोविडेंस स्टेडियम में गुरुवार रात भारी बारिश के कारण राइडर्स और प्वाइंट टेबल में सबसे नीचे चल रही सेंट्रल स्टैग्स के बीच मुकाबला पहले 17 ओवर प्रति पारी तक सीमित किया गया, फिर और घटाकर 14 ओवर किया गया। लेकिन बारिश की दोबारा वापसी के कारण मैच को रद्द कर दिया गया। इस दौरान सिर्फ राइडर्स की पारी ही पूरी हो सकी।राइडर्स की टीम मुकाबले से पहले एक अच्छी

तैयारी या चुनौती की उम्मीद कर रही थी, लेकिन उन्हें स्टैग्स के गेंदबाजों से कड़ी टक्कर मिली। मुश्किल होती पिच और भीगे मैदान पर सैफ हसन और माहिदुल इस्लाम अंकों ही दोहरे अंक में पहुंच सके। पूरी टीम मात्र 13.5 ओवर में 79 रन पर सिमट गई।हालांकि, बारिश ने राइडर्स को और शर्मिंदगी से बचा लिया, क्योंकि स्टैग्स की टीम को बल्लेबाजी का मौका ही नहीं मिल पाया और मुकाबला बिना नतीजे के समाप्त हो गया।सेंट्रल स्टैग्स का निराशाजनक अभियान इस प्रदर्शन से कुछ हद तक सकारात्मक अंत तक पहुंचा, जहां उनके गेंदबाजों ने विशेषकर निचले क्रम पर कहर ढाया। एंगस शॉ, जैडन लेनॉक्स और ब्लेयर टिकनर ने तीन-तीन विकेट झटके। प्रोविडेंस की पिच पर तेज और स्पिन दोनों ही गेंदबाजी को मदद मिलती दिखी। अब सभी निगाहें शुक्रवार रात होने वाले फाइनल मुकाबले पर टिकी हैं, जहां टूर्नामेंट की दो सबसे मजबूत टीमें झ रंगपुर राइडर्स और घरेलू टीम गुयाना अमेजन वॉरियर्स झ आमने-सामने होंगी। उम्मीद की जा रही है कि मौसम साफ रहेगा और इस साल का जीएसएल एक रोमांचक फाइनल के साथ समाप्त होगा।

अर्जुन एरिगैसी सेमीफाइनल में

फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम

एजेंसी

नई दिल्ली। लास वेगास में चल रहे फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम 2025 में भारत के अर्जुन एरिगैसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। शुक्रवार को खेले गए क्वार्टरफाइनल में उन्होंने उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तारोव को हराकर यह उपलब्धि हासिल की। वहीं दूसरी ओर, भारत के ही आर. प्रज्ञानानंद को कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। अमेरिका के दिग्गज ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना के खिलाफ उनका मैच

बेहद रोमांचक रहा, जो क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज तीनों प्रारूपों में जीतों के आदान-प्रदान के बाद आमार्गेडन तक पहुंचा। इस टूर्नामेंट का यह पहला आमार्गेडन मुकाबला था, जिसमें कारुआना ने काले मोहरों से बाजी मार ली। अर्जुन एरिगैसी का मुकाबला अब सेमीफाइनल में लेवोन आरोनियन से होगा, जिन्होंने हिकारू नाकामुरा को टाईब्रेक में हराया। इस बीच, निचली ब्रैकेट में भारत के विदित गुजराती को मैग्नस कार्लसन ने हराते हुए इंटरमीडिएट मैच स्टेज 1 में प्रवेश किया है।

कुलदीप को मैनचेस्टर टेस्ट में खेलते देखना चाहते हैं कपिल

एजेंसी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि मैनचेस्टर में 23 जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले चौथे टेस्ट मैच में चाइननामैन स्पिनर कुलदीप यादव बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। ऐसे में वह कुलदीप को इस मैच में खेलते हुए देखना चाहते हैं। कपिल ने स्वयं कुलदीप को फोन कर ये बात कही है। पांच मैचों की इस सीरीज में अभी भारतीय टीम 1-2 से पीछे है, ऐसे में उसके लिए चौथा टेस्ट बेहद अहम है। भारतीय टीम को लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट में केवल 22 रनों से हार का सामना करना पड़ा। तीनों मैच के दौरान कुलदीप को जगह नहीं मिलने से सभी हैरान हैं क्योंकि टीम में शामिल स्पिनर वॉशिंगटन

सुंदर और रविंद्र जडेजा इन मैचों में प्रभावित नहीं कर पाये, केवल बल्लेबाजी के आधार पर इन्हें जगह मिली। ऐसे में कपिल का ये कहना कि मैनचेस्ट टेस्ट में कुलदीप बड़ी भूमिका निभा सकते हैं, ये बात ध्यान में रखनी चाहिये। अब तक सुंदर ने तीसरे मैच की दूसरी पारी में 4 विकेट लिए किया। वहीं जडेजा ने 6 पारियों में तीन विकेट लिए हैं। हालांकि बल्लेबाजी में जडेजा काफी सफल रहे हैं।

प्रतिका रावल पर लगा जुर्माना

नई दिल्ली। भारत की सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल पर इंग्लैंड के खिलाफ पहले महिला वनडे मुकाबले में आईसीसी आचार संहिता के स्तर 1 के उल्लंघन के लिए उनकी मैच फीस का 10 प्रतिशत जुमार्ना लगाया गया है। यह मैच बुधवार को साउथैम्प्टन में खेला गया था। रावल पर आईसीसी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए आचार संहिता के अनुच्छेद 2.12 के उल्लंघन का आरोप लगा, जो किसी खिलाड़ी, अंपायर, मैच रेफरी या दर्शकों के साथ अनुचित शारीरिक संपर्क से संबंधित है। इस उल्लंघन के साथ, रावल के अनुशासनिक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट प्वाइंट भी जोड़ दिया गया है। यह उनका पिछले 24 महीनों में पहला अपराध था। रावल को दो अलग-अलग घटनाओं में अनुचित शारीरिक संपर्क का दोषी पाया गया।

64वीं राज्यस्तरीय सुब्रतो फुटबॉल कप प्रतियोगिता

तीसरे दिन सेमीफाइनल मुकाबले में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

- प्रतियोगिता में उत्तरी एवं दक्षिणी छोटानागपुर के साथ संथाल प्रमंडल के खिलाड़ियों का दबदबा बरकरार

एजेंसी

रांची । झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची के तत्वावधान में आयोजित 64वीं राज्य स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता 2025-26 के तीसरे दिन सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। खिलाड़ियों ने अपने शानदार खेल प्रदर्शन से दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

अंडर-15 बालक वर्ग : पहला सेमीफाइनलः संथाल प्रमंडल ने कोल्हान प्रमंडल को 6-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

दूसरा सेमीफाइनलः दक्षिणी छोटानागपुर ने उत्तरी छोटानागपुर को 1-0 से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई।

अंडर-17 बालिका वर्ग

पहला सेमीफाइनलः दक्षिणी छोटानागपुर ने कोल्हान प्रमंडल को एकतरफा मुकाबले में 14-0 से पराजित किया।

दूसरा सेमीफाइनलः उत्तरी छोटानागपुर ने संथाल प्रमंडल को 4-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

अंडर-17 बालक वर्ग

पहला सेमीफाइनलः संथाल प्रमंडल ने पलामू प्रमंडल को 4-1 से हराया। दूसरा सेमीफाइनलः उत्तरी छोटानागपुर ने कोल्हान प्रमंडल को 3-0 से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई।

फाइनल मुकाबले कल होंगे

अंडर-15 बालक वर्गः संथाल प्रमंडल बनाम दक्षिणी छोटानागपुर, अंडर-17 बालिका वर्गः दक्षिणी छोटानागपुर बनाम उत्तरी छोटानागपुर, अंडर-17 बालक वर्गः संथाल प्रमंडल बनाम उत्तरी छोटानागपुर। फाइनल मुकाबले का आयोजन बीआईटी मेसरा कैंपस स्थित मैदान में किया जाएगा। राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी सह आयोजन सचिव श्री धीरसेन ए. सोरेंग ने बताया कि स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार के तत्वाधान में यह प्रतियोगिता लगातार तीसरे वर्ष सफलतापूर्वक आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता के माध्यम से राज्य के छात्र-छात्राओं को खेल के क्षेत्र में उभरने का अवसर मिल रहा है।

विराट, रोहित की वापसी नहीं चाहते सरनदीप

एजेंसी

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर सरनदीप सिंह ने कहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा को संन्यास से वापसी नहीं करनी चाहिये। सरनदीन ने कहा कि विराट और रोहित की कमी पूरी करना कठिन है पर अब इन दोनों से आगे बढ़ने का समय आ गया है। इन दोनो की जगह पर युवाओं को अवसर देना ठीक है। सरनदीप के दिल्ली के कोच रहते ही विराट ने इसी साल अपना अंतिम प्रथम श्रेणी मैच खेला था। रोहित और विराट ने इस साल मई में जब टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। तब सरनदीप सिंह ने कहा था कि जब वे कोहली से मिले थे तब तक

टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते थे पर अचानक ही उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी। हाल में क्रिकेटर मदन लाल और योगराज सिंह ने इंग्लैंड के दौरे पर तीसरे टेस्ट में हार के बाद विराट से संन्यास से वापसी की अपील की थी पर सरनदीप इसे सही नहीं मानते। वह नहीं चाहते कि विराट दोबारा वापसी करें। सरनदीप ने विराट-रोहित के संन्यास से वापसी को लेकर कहा, ह्यरोहित और कोहली ने टीम के लिए कई सालों तक सेवा की है। ऐसे में उनकी जगह भरना कठिन है पर भारतीय टीम युवाओं के साथ अच्छा प्रदर्शन कर रही है। रोहित के संन्यास के बाद शुभमन गिल टीम की कप्तानी कर रहे हैं। वह कोहली के नंबर 4 स्थान पर अच्छे से बल्लेबाजी कर रहे हैं। उन्होंने अब तक एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में तीन शतकों के साथ 607 रन बनाये हैं। सरनदीप का कहना है कि शुभमन गिल की कप्तानी में अनुभवी केएल राहुल और युवा खिलाड़ी नए युग को आगे बढ़ा रहे हैं। ओपनर यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल अच्छी शुरूआत दे रहे हैं।

वैभव सूर्यवंशी बना ग्लोबल क्रिकेट सनसनी

एजेंसी

नई दिल्ली । राजस्थान रॉयल्स की ओर से आईपीएल 2025 के दौरान धमाकेदार प्रदर्शन कर चुके 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक नई सनसनी बनकर उभरे हैं। बिहार के समस्तीपुर से ताल्लुक रखने वाले इस युवा खिलाड़ी ने न सिर्फ भारत बल्कि इंग्लैंड में भी अपने खेल से ऐसा प्रभाव छोड़ा है कि लोग उसे अगला सचिन तेंदुलकर या विराट कोहली मानने लगे हैं। फिलहाल इंग्लैंड में चल रही इंडिया अंडर-19 बनाम इंग्लैंड अंडर-19 की यूथ वनडे सीरीज में वैभव सूर्यवंशी ने 3-1 से सीरीज जीत में निर्णायक भूमिका निभाई। खासतौर

पर एक मुकाबले में उन्होंने 31 गेंदों में 86 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 6 चौके और 9 छक्के शामिल थे। बारिश के कारण यह मैच 40 ओवर का किया गया था, लेकिन वैभव की बल्लेबाजी ने दर्शकों को पूरी तरह रोमांचित कर दिया। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड के विश्लेषक पीकॉक ने बताया कि जब उन्होंने वैभव को पहली बार नॉर्थम्पटनशर में देखा, तो माहौल किसी सुपरस्टार के मैच जैसा था। उन्होंने कहा कि वैभव की पारी देखने के लिए कई मीडिया तथा प्रशंसक मौजूद थे। जब उन्होंने इंग्लैंड के तेज गेंदबाज सेबेस्टियन मोर्गन की गेंद को बैकवर्ड स्क्वेयर लेग पर पुल किया, तो पूरे स्टेडियम में खड़े होकर तालियां बजीं। आईपीएल में गुजरात टाइटंस के खिलाफ वैभव की सिर्फ 35 गेंदों में बनाई गई सेंचुरी ने पहले ही उन्हें लाइमलाइट में ला दिया था, लेकिन अब इंग्लैंड में मिल रही लोकप्रियता ने उनके करियर को एक नया आयाम दिया है।

टीम इंडिया ने बेकेनहम मैदान में किया अभ्यास

- ड्रेसिंग रूम में हनुमान चालीसा, इंग्लिश पॉप और पंजाबी गाने सुनते दिखे खिलाड़ी

एजेंसी

मैनचेस्टर । भारतीय क्रिकेट टीम यहां इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में होने वाले चौथे टेस्ट मैच के लिए अभी अभ्यास में लगी है। अभी इस सीरीज में भारतीय टीम 1-2 से पीछे है। ऐसे में उसका लक्ष्य मैनचेस्टर में किसी प्रकार से जीत दर्ज करना रहेगा। टीम के खिलाड़ी लंदन से एक घंटे का बस का सफर करके अभ्यास के लिए बेकेनहम मैदान पहुंचे। खिलाड़ियों के लिए ड्रेसिंग रूम में हनुमान चालीसा, इंग्लिश पॉप और

पंजाबी गाने भी बजाए गए। इस मैच में ऋषभ पंत का खेलना तय नहीं हैं। उन्हें ऊंगली में चोट लगी है पर उम्मीद है कि वह मैच तक ठीक हो जाएंगे। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज अभ्यास में शामिल नहीं हुए। अर्शदीप सिंह को भी अभ्यास के दौरान हाथ में चोट लग गई। केएल राहुल के अलावा बाकि सभी खिलाड़ी बेकेनहम गए थे। भारतीय क्रिकेट टीम आमतौर पर शांत माहौल में अभ्यास करना पसंद करती है। केंट काउंटी क्रिकेट ग्राउंड में भी ऐसा ही माहौल था। खिलाड़ी आराम से अभ्यास कर रहे थे। लॉर्ड्स में मिली हार के बाद टीम के खिलाड़ी थके हुए थे पर बेकेनहम के शांत वातावरण में वे तरोताजा हो गये। ड्रेसिंग रूम में अलग-अलग तरह के गाने बज रहे थे। कुछ खिलाड़ी हनुमान चालीसा सुन रहे थे, तो कुछ इंग्लिश पॉप और पंजाबी गाने। इससे खिलाड़ियों को आराम मिला। ऋषभ और बुमराह ऊपर ड्रेसिंग रूम से नीचे खड़े पत्रकारों से बात कर रहे थे। जब एक पत्रकार ने ऋषभ पंत से बात करने की कोशिश की, तो उन्होंने कहा, कुछ सुनाई नहीं दे रहा हैं। क्योंकि गाने बहुत तेज बज रहे थे। पंत और बुमराह ने सिर्फ वार्म-अप किया और जिम में कुछ समय बिताया।

अर्शदीप को लगी चोट

लंदन । बाएं हाथ के तेज अर्शदीप सिंह इंग्लैंड के खिलाफ 23 जुलाई से मैनचेस्टर में होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले चोटिल हो गये हैं। इससे भारतीय क्रिकेट टीम की इस मैच को लेकर बनायी जा रही योजनाओं को लेकर झटका लगा है। इस मैच में उन्हें मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जगह उतरा जा सकता था। इसी को लेकर सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने कहा कि अर्शदीप को फील्डिंग के दौरान चोट लगी है और वह अभी डॉक्टर की निगरानी में हैं। अभी ये पता नहीं चला है कि उनकी चोट कितनी गहरी है और वह मैच तक फिट हो पायेंगे या नहीं। भारतीय टीम इस सीरीज में 1-2 से पीछे है। ऐसे में उसे लिए मैनचेस्टर में होने वाला चौथा टेस्ट बेहद अहम है, इस कारण टीम इस मैच में बदलाव भारतीय टीम इस मैच में पूरी ताकत से उतरना चाहती है। ऐसे में किसी भी खिलाड़ी का चोटिल होना टीम के लिए बड़ा झटका है।

ब्रिटेन में गोल्फर मैथ्यू फिटजपैट्रिक 153 वें गोल्फ ओपन में खेलते हुए।

शोहरत एक दोधारी तलवार की तरह: ईशा कोप्पिकर

बालीवुड अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर इन दिनों मानसिक स्वास्थ्य की मुखर पक्षधर बनकर सामने आई हैं। फिल्म इंडस्ट्री के उतार-चढ़ाव भरे सफर से सबक लेकर उन्होंने आत्म-मूल्य, भावनात्मक ईमानदारी और कल्याण पर खुली बातचीत को बढ़ावा देना शुरू किया है। अभिनेत्री ईशा ने बताया कि शोहरत एक दोधारी तलवार की तरह होती है। एक तरफ आपको तारीफ और पहचान मिलती है, तो दूसरी तरफ लगातार उन उम्मीदों पर खरा उतरने का दबाव रहता है जो हमेशा सच नहीं होतीं। उन्होंने कहा कि अक्सर आपसे उम्मीद की जाती है कि आप हर हाल में मुस्कुराएं, चाहे भीतर से टूटे हुए क्यों न हों। ईशा ने ईमानदारी से स्वीकार किया कि बहुत समय तक उन्हें यह एहसास ही नहीं था कि 'मैं ठीक नहीं हूं' कहना भी एक विकल्प हो सकता है। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में ज्यादा लोगों को यह सुनने की जरूरत है कि कभी-कभी खुद को थका हुआ या हारा हुआ महसूस करना भी पूरी तरह इंसानी बात है और इसका मतलब यह नहीं कि आपको सब कुछ चुपचाप सहना ही पड़े। उन्होंने इस पर बात की कि लगातार अच्छा प्रदर्शन करने, हर समय परफेक्ट दिखने और प्रासंगिक बने रहने का दबाव आपके मानसिक स्वास्थ्य पर गहरी चोट करता है, लेकिन इसके बावजूद इस बारे में बहुत कम लोग खुलकर बात करते हैं। ईशा के मुताबिक यह सोच कि भावनात्मक कमजोरी कमजोरी ही है, अब बदलनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि असली ताकत सब कुछ कंट्रोल करने में नहीं, बल्कि खुद के प्रति सच्चे और दयालु बने रहने में है। ईशा ने कहा कि 'आप जैसे हैं, वैसे ही पर्याप्त हैं,' यह एक बेहद सरल सच है जिसे हम अक्सर भूल जाते हैं, खासकर उस दुनिया में जहां सब कुछ फिल्टर और परफेक्शन में लपेटा जाता है। उन्होंने कहा कि वूलनेराबिलिटी यानी अपनी भावनाओं को खुलकर मानना कमजोरी नहीं बल्कि असली साहस है। ईशा कोप्पिकर का यह ईमानदार नजरिया मनोरंजन जगत में सफलता, मजबूती और आत्म-देखभाल को लेकर बनी धारणा को चुनौती दे रहा है। सोशल मीडिया के दौर में, जहां दिखावे और अवास्तविक उम्मीदों का दबाव बढ़ता जा रहा है, उनका यह संदेश न सिर्फ दिल को छू जाता है बल्कि दूसरों को भी खुद को अपनाने और मानसिक स्वास्थ्य को गंभीरता से लेने के लिए प्रेरित करता है। बता दें कि अभिनेत्री 'क्या कूल हैं हम', 'कृष्णा कॉटेज', 'एक विवाह ऐसा भी', 'शबरी' और 'डॉन' जैसी फिल्मों में अपने यादगार किरदारों के लिए जानी जाती हैं।

विक्रांत के 'डॉन 3' से बाहर होने को लेकर अटकलें जारी

बालीवुड अभिनेता विक्रांत मैसी के 'डॉन 3' से बाहर होने को लेकर अटकलें लगाई जा रही है। यह वही प्रोजेक्ट है जो रणवीर सिंह के 'डॉन' बनने की वजह से पहले से हाईलाइट में है। खबरों के मुताबिक विक्रांत फिल्म के अहम विलेन रोल से अचानक बाहर हो गए हैं। इस रोल में वह एक शातिर स्कैमस्टर का किरदार निभाने वाले थे, जिसका रणवीर सिंह के 'डॉन' से सीधा टकराव होता। इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक विक्रांत को स्क्रिप्ट में अपने किरदार की गहराई कम लगी। उन्हें लगा कि यह रोल उनके एक्टिंग स्टैंडर्ड के हिसाब से 'लेयर्ड' या चुनौतीपूर्ण नहीं है। इसके अलावा रोल के लिए एक बड़ा फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन भी जरूरी था, जिसे लेकर वह असमंजस में थे। इस वजह से उन्होंने प्रोजेक्ट छोड़ने का फैसला किया। फरहान अख्तर अब नए विलेन की तलाश में हैं। पहले ही फिल्म की लीड फीमेल रोल में बदलाव हो चुका है कियारा आडवाणी के प्रेग्नेंट होने की वजह से उनकी जगह कृति सेनन को लिया गया। अब विक्रांत की एग्जिट ने मेकर्स के लिए कास्टिंग और जटिल कर दी है। फिलहाल खबर है कि इस दमदार विलेन रोल के लिए विजय देवरकोंडा और आदित्य रॉय कपूर से बात चल रही है। दोनों में वह चार्म और इंटेंसिटी है जो रणवीर सिंह के 'डॉन' के मुकाबले एक करिश्माई विलेन के लिए जरूरी मानी जा रही है। हालांकि किसी की ओर से अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। 'डॉन 3' की शूटिंग जनवरी 2026 से शुरू होनी है। फरहान अख्तर इसे इंटरनेशनल स्केल पर ले जाने की तैयारी में हैं और इसके लिए एक मजबूत स्टार कास्ट बनाना चाहते हैं। कुल मिलाकर विक्रांत मैसी के लिए यह वक्त चुनौतीपूर्ण कहा जा सकता है एक तरफ उनकी लेटेस्ट फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट रही है, दूसरी तरफ उन्होंने जिस हाई-प्रोफाइल फिल्म से खुद को बाहर किया, वही रोल किसी और स्टार को एक बड़ा ब्रेक दे सकता है। उनके फैन्स भी इस बात को लेकर थोड़े हैरान हैं कि यह फैसला उनके करियर के लिए सही साबित होगा या बड़ी गलती बन जाएगा यह तो वक्त ही बताएगा। विक्रम मैसी की 'आंखों की गुस्ताखियां' की बात करें तो यह एक रोमांटिक-ड्रामा फिल्म है जिसमें विक्रांत के अपोजिट शनाया कपूर नजर आईं। शनाया ने इसी फिल्म से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया। हालांकि, यह फिल्म दर्शकों को थिएटर तक खींचने में नाकाम रही और बॉक्स ऑफिस पर बेहद कमजोर प्रदर्शन कर रही है। ट्रेड एनालिस्टों का तो कहना है कि फिल्म 2025 की सबसे बड़ी फ्लॉप या 'डिजास्टर' साबित होने के कगार पर है। फिल्म के कंटेंट और प्रचार को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। दर्शकों और समीक्षकों को इसकी कहानी और निर्देशन में वह पकड़ नजर नहीं आई जो रोमांटिक-ड्रामा को हिट बना सके।

महिलाओं को लेकर पुरानी सोच अभी भी कायम: फातिमा सना शेख

बालीवुड अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने कहा कि 30 साल की उम्र के बाद भी शादी न करने वाली महिलाओं को लेकर कुछ हद तक पुरानी सोच अभी भी कायम है, मगर पहले जैसा दबाव अब नहीं रह गया है। अभिनेत्री ने हाल ही में समाज में महिलाओं की शादी और रिश्तों को लेकर बदलती सोच पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने माना कि लोग अब व्यक्तिगत पसंद और रिश्तों में बदलाव को पहले से कहीं ज्यादा सहजता से स्वीकार करने लगे हैं। फातिमा के मुताबिक पहले एक निश्चित उम्र तक शादी करने का दबाव बहुत ज्यादा था, लेकिन समय के साथ चीजें बदल रही हैं और रिश्तों की परिभाषा भी बदल गई है। आज के दौर में कई लोग खुद पर या अपने करियर पर ध्यान देना पसंद करते हैं, तो कुछ अकेले रहना ही चुन लेते हैं। उन्होंने कहा कि समाज भी धीरे-धीरे इस बदलाव को अपनाना सीख रहा है। उन्होंने यह भी माना कि रिश्तों का मतलब अब अलग हो गया है और कई लोग अब अकेले रहने में भी खुशी महसूस करते हैं या अपनी प्राथमिकताओं पर ध्यान देते हैं। फातिमा ने यह भी कहा कि उन्हें यह नहीं पता कि यह बदलाव सही है या गलत, लेकिन अब उस पर पहले जैसी सख्ती या पाबंदी नहीं रही। बातचीत के दौरान फातिमा ने अपने पहले प्यार की यादें भी साझा कीं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी किताबों में फूल रखे या कोई ऐसा फिल्मी रोमांटिक पल जिया है, तो वह मुस्कुरा कर बोलीं, 'हां, बिल्कुल।' उन्होंने बताया कि उनके उस वक्त के पार्टनर ने उनके जन्मदिन पर खास सरप्राइज प्लान किया था, जिसमें दरवाजे से कमरे तक का रास्ता फूलों से सजाया गया था। चारों तरफ फूल बिखरे थे और केक के आसपास मोमबत्तियां जली हुई थीं। हालांकि यह सरप्राइज वैसा नहीं रहा जैसा सोचा गया था, क्योंकि उनके वहां पहुंचने तक ज्यादातर मोमबत्तियां पिघल चुकी थीं। उन्होंने हंसते हुए कहा कि बाद में हमें सब कुछ साफ करना पड़ा। फातिमा ने उस लम्हे को बेहद खास और सच्चे प्यार का एहसास बताया और कहा कि तब वह काफी छोटी थीं और उस समय उनके पास फेसबुक या इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म भी नहीं थे।

अभिनेता रणदीप हुड्डा को हुआ राइटिंग से लगाव, लिख रहे छोटी-छोटी कहानियां

-वर्सोवा और आराम नगर पर आधारित एक सीरीज पर कर रहे काम

फिल्म मेकर और एक्टर रणदीप हुड्डा की एक्टिंग उनका पहला प्यार है, रणदीप को पिछले कुछ सालों में राइटिंग से गहरा लगाव हो गया है। यह बात खुद रणदीप हुड्डा कह रहे हैं। उन्होंने कि यह उनके लिए किसी भी रचनात्मक प्रक्रिया का सबसे अच्छा हिस्सा है। जब वह अभिनय करते हैं, तो वह दूसरों की लिखी कहानियों का हिस्सा बनते हैं, लेकिन लेखन उन्हें वह कहानियां गढ़ने का मौका देता है, जिन्हें उन्होंने जिया, देखा या कल्पना की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वह वर्तमान में मुंबई के वर्सोवा और आराम नगर पर आधारित छोटी कहानियों की एक सीरीज बना रहे हैं। ये कहानियां हर रविवार को सड़क किनारे बांसुरी बेचने वाले एक व्यक्ति के जीवन, शहर में संघर्षरत अभिनेताओं के सफर, कास्टिंग काउच की कठोर सच्चाइयों और कई अन्य कहानियों को छूती हैं। रणदीप ने कहा कि वर्सोवा और आराम नगर मानवीय महत्वाकांक्षाओं और अस्तित्व के ऐसे खामोश रंगमंच रहे हैं और वह इन कहानियों को जीवंत करना चाहते थे। उन्होंने बताया कि हर रविवार उन्हें एक बांसुरी वाला उसी कोने पर खड़ा दिखता है, जो ऐसी धुनें बजाता है जो शहर के शोर में अक्सर दब जाती है। उसके पीछे महत्वाकांक्षी अभिनेताओं, रोजमर्रा के संघर्षों, छोटी जीतों और दिल टूटने की दुनिया है। उन्होंने कहा कि इन कहानियों को लिखने से उन्हें उद्देश्य की अनुभूति होती है और उनके आसपास की जिंदगी की परतों पर विचार करने का मौका मिलता है। बता दें रणदीप 'मैचबॉक्स' में नजर आएंगे, जो सैम हार्ग्रेव के निर्देशन में बन रही अमेरिकी एक्शन एडवेंचर कॉमेडी फिल्म है। यह फिल्म इसी नाम के मशहूर टॉय ब्रांड पर आधारित है और इसमें जॉन सीना, जेसिका बील, सैम रिचर्डसन, आर्टुरो कास्त्रो, टेयोना पैरिस, रणदीप हुड्डा, दनाई गुरिरा और कोरी स्टोल नजर आएंगे। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। रणदीप के पास 'ऑपरेशन खुकरी' नामक एक महाकाव्य युद्ध ड्रामा भी है। रणदीप ने मेजर जनरल राजपाल पुनिया और दामिनी पुनिया की किताब 'ऑपरेशन खुकरी- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ द इंडियन आर्मीज ब्रेवेस्ट पीसकीपिंग मिशन अब्रॉड' के आधिकारिक फिल्म अधिकार हासिल कर लिए हैं। फिल्म 'ऑपरेशन खुकरी' 2000 की वास्तविक घटनाओं को पर्दे पर लाएगी, जब पश्चिम अफ्रीका के सिएरा लियोन में विद्रोही बलों ने 233 भारतीय सैनिकों को बंधक बना लिया था।

तमन्ना भाटिया के नए लुक को फैंस ने खूब पसंद किया

हाल ही में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ बेहद खास तस्वीरें पोस्ट कीं, जिन्होंने लोगों का ध्यान खींच लिया और उनके लुक को फैंस ने खूब पसंद किया। इन तस्वीरों में तमन्ना ने एक अनोखा और कंट्रास्ट स्टाइल अपनाया है। उन्होंने काले रंग की चमकीली गाउन के साथ एक सिंपल ग्रे टी-शर्ट पहनकर यह दिखाया कि फैशन में विरोधाभास भी खूबसूरती पैदा कर सकता है। उनके इस लुक में ग्लैमर और कैजुअल अंदाज का ऐसा मेल नजर आया, जो उनके फैशन के प्रति सोच को भी बयां करता है। तमन्ना ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा कि फैशन उनके लिए केवल नए ट्रेंड्स को फॉलो करना नहीं है, बल्कि खुद को जाहिर करने का जरिया है। उन्होंने कहा कि फैशन में ग्लैमर और आराम, ताकत और नर्मी के बीच संतुलन होना चाहिए। उन्होंने लेयरिंग की ताकत को समझाते हुए लिखा कि एक काला गाउन और ग्रे टी-शर्ट दो अलग-अलग दुनिया से हो सकते हैं, लेकिन उनके लिए ऐसा लगता है जैसे वे मिलने के लिए ही बने हों। तमन्ना ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि विरोधाभास टकराव नहीं है, बल्कि यह वह जगह है जहां मर्दाना और स्त्री स्वभाव में तालमेल बैठता है।

सलमान ने 'बैटल ऑफ गलवान' को बताया करियर की कठिन फिल्म

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने कहा कि एक्शन फिल्म की तैयारी हर गुजरते साल, महीने और दिन के साथ और अधिक चुनौतीपूर्ण होती जा रही है। उन्होंने अपनी अगली फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' को उन फिल्मों में शुमार किया, जिसके लिए उन्हें शारीरिक पहलू पर सबसे ज्यादा मेहनत करनी पड़ रही है। सलमान 'शूटआउट एट लोखंडवाला' फेम निर्देशक अपूर्व लाखिया की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' में अपने किरदार की तैयारियों में जीजान से जुटे हुए हैं। यह बहुप्रतीक्षित फिल्म भारत और चीन के बीच 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हुए संघर्ष पर आधारित है। सलमान ने 'एजेंसी' के साथ बातचीत में कहा, ''यह (एक्शन फिल्म की तैयारी) शारीरिक रूप से बहुत चुनौतीपूर्ण है। हर साल, हर महीने, हर दिन यह और अधिक कठिन होती जा रही है। मुझे अब तैयारी के लिए अधिक समय देना होगा। पहले मैं एक या दो हफ्ते में तैयारी कर लेता था, अब मुझे काफी शारीरिक मेहनत करनी पड़ रही है। इस फिल्म के लिए यह सब जरूरी है।'' सलमान इस साल दिसंबर में 60 वर्ष के हो जाएंगे। उन्होंने कहा, ''उदाहरण के लिए 'सिकंदर' में एक्शन अलग था, किरदार अलग था। लेकिन यह फिल्म (बैटल ऑफ गलवान) शारीरिक पहलू पर अधिक मेहनत करने की मांग करती है। इसके अलावा, लद्दाख में ऊंचे स्थानों पर और ठंडे पानी में शूटिंग करना (एक और चुनौती है)।'' अभिनेता ने बताया कि परियोजना से जुड़ी टीम इस महीने के अंत में शूटिंग के लिए लद्दाख रवाना होगी। उन्होंने कहा, ''जब मैं फिल्म के लिए अपनी सहमति दे रहा था, तो मुझे लगा कि यह कमाल की है, लेकिन यह एक बहुत ही मुश्किल फिल्म है। मुझे लद्दाख में 20 दिन काम करना है और फिर सात से आठ दिन ठंडे पानी में शूटिंग करनी है। हम इसी महीने शूटिंग शुरू करेंगे।'' निर्माताओं के मुताबिक, यह फिल्म भारत की सबसे भीषण लड़ाइयों में से एक पर आधारित है, जो समुद्र तल से 15,000 फुट की ऊंचाई पर बिना एक भी गोली चलाए लड़ी गई थी। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों में भारतीय सेना के 20 जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी, जो दशकों में भारत और चीन के बीच सबसे गंभीर सैन्य संघर्ष था। सलमान ने बताया कि 'बैटल ऑफ गलवान' उनकी पिछली कुछ फिल्मों की तरह ईद पर रिलीज नहीं होगी, बल्कि यह अगले साल जनवरी में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। उन्होंने पुष्टि की कि 2015 में प्रदर्शित उनकी सुपरहिट फिल्म 'बजरंगी भाईजान' के सीक्वल पर काम किया जा रहा है। बृहस्पतिवार को रिलीज के 10 साल पूरी करने वाली 'बजरंगी भाईजान' का जिक्र करते हुए सलमान ने कहा, ''मुझे यह फिल्म बहुत पसंद आई थी। इसका (सीक्वल) विषय और भावनात्मक पक्ष लगभग वही होगा, लेकिन यह एक अलग फिल्म होगी।'' कबीर खान के निर्देशन में बनी 'बजरंगी भाईजान' भगवान हनुमान के एक भक्त के बारे में थी, जो पाकिस्तान की एक मूक लड़की को उसके परिवार से मिलाने के लिए सीमा पार मिशन पर निकलता है। साइकिल और मोटरसाइकिल चलाने के शौकीन सलमान ने इंडियन सुपरक्रॉस रेसिंग लीग (आईएसआरएल) के दूसरे सीजन के लिए आयोजित संवाददाता सम्मेलन से इतर 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत की। वह आईएसआरएल के ब्रांड एंबेसडर भी हैं। सलमान ने कहा, ''मैं हमेशा से ही साइकिल चलाने का शौकीन रहा हूं। साइकिल से लेकर मोटरसाइकिल तक, मुझे सब पसंद हैं। हालांकि, अब मुझे साइकिल चलाने का ज्यादा मौका नहीं मिलता।'' उन्होंने अपने प्रशंसकों को सड़कों पर 'बाइक रेस' लगाने के प्रति आगाह किया।

'सरफिरा' मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभव: राधिका मदान

बालीवुड की फिल्म 'सरफिरा' के रीलिज को एक साल पूरे होने पर अभिनेत्री राधिका मदान ने अपनी भूमिका को याद किया और कहा कि यह फिल्म मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभव रहा है। अभिनेत्री राधिका ने कहा कि यह यकीन करना मुश्किल है कि फिल्म को रिलीज हुए एक साल हो गया है, ऐसा लगता है मानो अभी कुछ दिन पहले ही अक्षय और उन्होंने इसकी शूटिंग की हो। उन्होंने माना कि 'रानी' का किरदार उनके करियर का सबसे कठिन रोल रहा। फिल्म में राधिका ने अक्षय कुमार की पत्नी का किरदार निभाया था जो एक महाराष्ट्रीयन महिला है। इस रोल के लिए उन्होंने मराठी संस्कृति और बोली को आत्मसात करने में काफी मेहनत की। दिल्ली की रहने वाली राधिका ने बताया कि उन्होंने हर प्रोजेक्ट में अलग-अलग बोलियों को सीखकर खुद को चुनौती दी है, चाहे वह उत्तर प्रदेश की बोली हो, जयपुरी लहजा हो या अब मराठी। मराठी के लिए उन्होंने लोकल लोगों के साथ समय बिताया ताकि उनकी भाषा और संस्कृति को समझकर उसे पर्दे पर ईमानदारी से उतार सकें। राधिका ने कहा कि मुंबई में मराठी बोलने वालों की संख्या काफी ज्यादा है और इसलिए सही उच्चारण और अंदाज सीखना जरूरी था। उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया में उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला और यह उनके लिए बेहद रोमांचक रहा। इसके अलावा उन्होंने अक्षय कुमार, परेश रावल और निर्माता विक्रम मल्होत्रा जैसे अनुभवी और प्रतिष्ठित कलाकारों के साथ काम करने को अपने लिए गर्व की बात बताया। राधिका ने यह भी कहा कि अक्षय कुमार के साथ 'सरफिरा' में काम करने के बाद अब वह उनके अगले प्रोजेक्ट 'सूबेदार' के लिए बेहद उत्साहित हैं। फिल्म 'सरफिरा' की बात करें तो इसे राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सुधा कोंगरा ने निर्देशित किया था और इसकी कहानी भारत में तेजी से बढ़ती स्टार्टअप दुनिया और एविएशन सेक्टर के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में एक व्यक्ति के सपने को दिखाया गया है जो हवाई यात्रा को आम आदमी की पहुंच में लाना चाहता है और इसके लिए तमाम मुश्किलों का सामना करता है। राधिका मदान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म 'सूबेदार' में नजर आएंगी जिसमें वह अनिल कपूर की बेटी की भूमिका निभा रही हैं।

अल्फा-2 के सुभाष पार्क में पौधारोपण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के उद्यान विभाग की तरफ से सेक्टर अल्फा 2 के सुभाष पार्क में पौधरोपण किया गया। नीम अमलतास जामुन सेमल आदि प्रजाति के पौधे लगाए गए।

इस कार्य में उद्यान विभाग के डीजीएम संजय कुमार जैन और वरिष्ठ प्रबंधक पीपी मिश्र, सहायक निर्देशक बुद्ध विलास और सेक्टर के आरडब्ल्यूए अध्यक्ष सुभाष भाटी और महासचिव नानक पाल और दीपक नागर, हरिप्रसाद, अर्चना मिश्र, मंजू सिरोही, अनीता गौतम, शशि कौशिक, नितेश कौशिक, राकेश चतुर्वेदी, विनोद कुमार, उपेंद्र कौल सहित अन्य सेक्टर वासियों ने बढ़ -चढ़कर का हिस्सा लिया।

डॉ. लोकेश एम को एनईए व फोनरवा ने दी बधाई

नोएडा (चेतना मंच)। स्वच्छता सर्वेक्षण : 2024-25 में नोएडा को टॉप-23 सुपर शहरों में प्रथम स्थान मिलने पर नोएडा के सामाजिक, राजनैतिक दलों व उद्यमियों के संगठनों ने नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. लोकेश एम को बधाई दी है। संगठनों ने नोएडा प्राधिकरण के सीईओ के नेतृत्व में शहर में हो रहे विकास कार्यों की भी प्रशंसा की है।

नोएडा शहर के उद्यमियों के संगठन एन0ई0ए0 का एक प्रतिनिधिमण्डल एनईए अध्यक्ष विपिन कुमार मल्हन के नेतृत्व में नौएडा विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम0 से नोएडा प्राधिकरण के सैक्टर-6, स्थित कार्यालय में मिला तथा नोएडा को टॉप-23 सुपर स्वच्छ शहरों में प्रथम स्थान मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पुष्प भेंट कर बधाई दी तथा आशा व्यक्त की कि आपके नेतृत्व में नोएडा भविष्य में भी चमकता रहेगा।

इस पर सीईओ डॉ. लोकेश एम. ने कहा कि यह सम्मान नोएडा के उद्यमियों एंव यहॉ के निवासियों के फीडबैक का परिणाम है। आगे भी प्राधिकरण नोएडा की सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए काम करता रहेगा।

इस अवसर पर एनईए के महासचिव वी0के0सेठ, वरि उपाध्यक्ष राकेश कोहली, उपाध्यक्ष मौ0 इरशाद, सचिव विरेन्द्र नरूला, राहुल नैयर, राजन खुराना, कमल कुमार, मयंक गुप्ता, सह. कोषाध्यक्ष संदीप विरमानी शामिल थे।

वहीं फेडरेशन ऑफ नोएडा रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (फोनरवा) के प्रतिनिधिमंडल ने नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम से भेंट की।

प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 में 3 से 10 लाख की जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में देश का 'सबसे स्वच्छ शहर' घोषित किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही, नोएडा को 'सुपर स्वच्छ लीग' के अंतर्गत 'गोल्डन सिटी अवॉर्ड' से भी सम्मानित किया गया, जो नगरवासियों के लिए गर्व की बात है।

फोनरवा अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा और महासचिव के.के. जैन ने कहा कि यह उपलब्धि पूरे नोएडा शहर के नागरिकों, प्राधिकरण और आरडब्ल्यूए के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है।

अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि फोनरवा का यह निरंतर प्रयास रहेगा कि नोएडा आने वाले वर्षों में भी देश में स्वच्छता के क्षेत्र में शीर्ष स्थान बनाए रखे।

इस अवसर पर फोनरवा अध्यक्ष अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुशील यादव, उपाध्यक्ष लाट साहब लोहिया, संजय चौहान,उमाशंकर शर्मा तथा कोशिंदर यादव उपस्थित थे।

यीडा के सीईओ से मिला डीडीआरडब्ल्यूए व एमएसएमई प्रतिनिधिमंडल

नोएडा (चेतना मंच)। डीडी आरडब्ल्यू फेडरेशन अध्यक्ष एनपी सिंह की अध्यक्षता में

और एमएसएमई अध्यक्ष सुरेंद्र नाहटा की अगवाई में एक प्रतिनिधिमंडल ने यमुना अथॉरिटी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह से मुलाकात की और नए बसने वाले शहर जो जिले को ऊंचाइयों तक ले जाएगा जहां इंटरनेशनल एयरपोर्ट व अन्य सुविधाएं आ रही है ।

यमुना प्राधिकरण मुख्य कार्यपालक अधिकारी आरके सिंह से यमुना शहर के विषय में विचार विमर्श किया गया। आरके सिंह से अनुरोध किया गया कि वह नए बसने वाले शहर में गांव और शहर के बीच में पहले से ही डिमारकेशन/ चार दिवारी की व्यवस्था करवाए, शहर के पार्कों को व्यवस्थित करते हुए बाउंड्री वॉल पहले ही बनवाने की सलाह दी गई। ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी की तर्ज पर हर सेक्टर के चारों ओर गेट लगाकर व्यवस्था बनाए जाने और हर एक सेक्टर में बारात घर का प्रावधान जिसमें ग्रीज ट्रैप के साथ-साथ फायर फाइटिंग का भी विशेष ध्यान रखा जाने हेतु अनुरोध किया गया।

इस मौके पर डीवीडीआरडब्ल्यू अध्यक्ष एन पी सिंह, महासचिव शेर सिंह भाटी, उपाध्यक्ष अनिल सिंह, अनिल खन्न, संयुक्त कोषाध्यक्ष महिपाल सिंह, एमएसएमई अध्यक्ष सुरेंद्र नाहटा, सतवीर मुखिया, विजय रतूड़ी, शहजाद अहमद,एस के सिन्हा, दिलीप मिश्रा,अनिल कुमार सिंह, महिपाल सिंह, महामंत्री भाटी जी, विजय रोतेला आदि दर्जनों उद्योगपति शामिल हुए।

सीएम युवा उद्यमी विकास योजना में बैंक जल्द पास करे लोन : जिलाधिकारी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के प्रभावी तौर से

लागू करने के लिए जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय कक्ष में बैंकर्स एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि शासन स्तर से इस योजना के अंतर्गत जिले का लक्ष्य बढ़ा दिया गया है।

जिलाधिकारी ने बैंक प्रतिनिधियों से कहा कि योजना के अंतर्गत प्राप्त सभी आवेदनों का शीघ्र निस्तारण करते हुए ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि वे बैंकर्स के साथ बेहतर समन्वय बनाते हुए लाभार्थियों की सूची तैयार करें और स्वीकृतियों की प्रक्रिया को गति दें। उन्होंने यह भी कहा कि यह योजना प्रदेश के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इसके क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाना आवश्यक है।

जिलाधिकारी ने उपायुक्त उद्योग एवं बैंकर्स प्रतिनिधियों से कहा कि योजना में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप आवेदन करने के लिए कैंप का आयोजन करते हुए अधिक से अधिक युवाओं के इस योजना में आवेदन करायें एवं बैंक तथा संबंधित विभागों के अधिकारी आपसी समन्वय स्थापित करते हुए अधिक से अधिक आवेदनों को स्वीकृत करते हुए पात्र अभ्यर्थियों को ऋण वितरण करने की कार्रवाई सुनिश्चित करें।

बैठक में उपायुक्त उद्योग अनिल कुमार, एलडीएम, बैंक प्रतिनिधि तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बाइक चोरी कर लूटते थे मोबाइल विरोध करने पर दिखाते थे हथियार

नोएडा (चेतना मंच)। चोरी की बाइक पर सवार होकर मोबाइल फोन लूटने वाले गिरोह के

छह बदमाशों को थाना कासना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से अलग-अलग स्थानों से लूटे गए 28 मोबाइल फोन व अवैध हथियार बरामद हुए हैं। आरोपियों ने लूट व छीनती की दर्जनों वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है। यह गिरोह पिछले काफी समय से पुलिस के लिए सिरदर्द बना हुआ था।

ग्रेटर नोएडा जोन के एडीसीपी सुधीर कुमार ने बताया कि 13 जुलाई को साइट 5 में बाइक सवार बदमाशों ने चाकू दिखाकर दो लोगों से मोबाइल फोन लूट लिया था। विरोध करने पर बदमाशों ने जान से मारने की भी धमकी दी थी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने 17 जुलाई को मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर मोनू, साहिल उर्फ फरियाज, जग्गू उर्फ मोहित, गोलू कुमार, रवि व अरुण को दबोच लिया।

एडीसीपी ने बताया कि पकड़े गए बदमाशों के पास से चोरी में लूट के 28 मोबाइल फोन तीन चाकू वी दिल्ली से चोरी की गई एक स्प्लेंडर बाइक बरामद हुई। उन्होंने बताया कि पकड़े गए बदमाश चोरी की बाइक पर सवार होकर सुनसान स्थान पर राहगीरों को अपना निशाना बनाते थे। अगर कोई व्यक्ति इनका विरोध करता था तो यह चाकू दिखाकर उसे भयभीत कर देते थे और मोबाइल फोन लूट कर फरार हो जाते थे। आरोपियों ने मोबाइल लूट की दर्जनों वारदातों को अंजाम देना भी स्वीकार किया है। पुलिस उनके आपराधिक इतिहास का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

सलारपुर खादर में अवैध निर्माण की सूची में गलत नाम दर्ज, सीईओ से की शिकायत

नोएडा (चेतना मंच)। हाल ही में नोएडा प्राधिकरण द्वारा सलारपुर खादर में 24 खसरा नंबरों पर 39 लोगों व फर्मों के अवैध अतिक्रमण करने वालों की सूची घोषित की गई है। जिसमें कुछ त्रुटियां हैं। इसमें क्रम संख्या-10 में मैसर्स क्लासिस्टिक टेक्नोज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सुभाष कुमार भाटी पुत्र मोतीराज भाटी दर्ज है जो सरासर गलत है। इस बाबत सुभाष कुमार भाटी ने नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम को लिखित में शिकायत कर विरोध जताया है।

दी गई शिकायत में सुभाष भाटी ने कहा कि वे न तो मैसर्स क्लासिस्टिक टेक्नोज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में प्रोप्राइटर हैं और न ही कंपनी के डायरेक्टर हैं। इसके अलावा उक्त कंपनी में उनका कोई शेयर भी नहीं है। उक्त कंपनी के निर्माण, कब्जा, बिक्री या अन्य किसी भी कार्यकलाप से दूर-दूर तक उनका कोई संबंध नहीं है। उक्त कंपनी के अवैध निर्माण से उनका कोई वास्ता नहीं है।

उन्होंने कहा कि प्राधिकरण उक्त कंपनी द्वारा किए गए कथित अतिक्रमण को हटा दें। उन्हें किसी भी तरह की कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने मांग की है कि अवैध निर्माण की सूची में क्रम संख्या-10 से उनका नाम हटा लिया जाए।

उल्लेखनीय है कि सलारपुर खादर में सुप्रीम कोर्ट ने 5 अगस्त 2013 को प्राधिकरण द्वारा किया गया अधिग्रहण रदद कर दिया था तो अब किस आधार पर प्राधिकरण अधिग्रहण की बात कर वहां की संपत्ति को प्राधिकरण की अधिसूचित तथा कब्जा प्राप्त जमीन का दावा कर रहा है।

नौकरी से निकालने के बाद कारोबारी के घर की चोरी

पुलिस ने दो सगे भाईयों को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में कारोबारी के घर में हुई बड़ी चोरी का थाना बीटा दो पुलिस ने खुलासा कर दिया। पुलिस ने दो सगे भाइयों को गिरफ्तार कर इनके पास से कारोबारी के घर से चोरी की गई पिस्टल लाखों रुपए मूल्य के आभूषण तथा 2 लाख रुपए की नगदी बरामद की है। कारोबारी के पूर्व ड्राइवर ने ही उनकी गैर मौजूदगी में घटना को अंजाम दिया था।

ग्रेटर नोएडा जोन के एडीसीपी सुधीर कुमार ने बताया कि थाना बीटा दो क्षेत्र के जेपी ग्रीन सोसाइटी में कारोबारी पवन गोयल अपने परिवार के साथ रहते हैं। 10 जुलाई को वह परिवार सहित बाहर गए हुए थे। 11 जुलाई की सुबह उनके यहां काम करने वाले मुस्कान वी कृष्णा ने बताया कि मकान की खिड़की का शीशा टूटा हुआ है। पवन गोयल जब एयरपोर्ट से घर पहुंचे तो उन्हें चोरी की घटना की जानकारी हुई। चोर अलमारी का लॉकर तोड़कर उसमें रखी इटली निर्मित लाइसेंसी पिस्टल, 11 सोने के सिक्के, आठ कड़े, दो चूड़ी, तीन ब्रेसलेट, अंगूठी

तथा 2 लाख रूपये से अधिक की नगदी को चोरी कर ले गए थे।

पवन गोयल की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर सोसाइटी में काम करने वाले सहायकों व सुरक्षा कर्मियों से पूछताछ की। इस दौरान पुलिस को सुराग मिला कि कारोबारी ने कुछ दिन पूर्व ग्रेटर नोएडा के लडपुरा गांव निवासी जितेंद्र को अपने ड्राइवर की नौकरी से हटा दिया था। कारोबारी के यहां हुई चोरी की घटना जितेंद्र ने ही की है। मामले में सुराग मिलने पर पुलिस ने जितेंद्र व उसके भाई योगेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में जितेंद्र ने बताया कि वह पिछले कई वर्षों से जेपी ग्रींस में अलग-अलग लोगों के यहां काम कर चुका है। इसलिए उसे वहां की भौगोलिक स्थिति की अच्छी तरह से जानकारी थी। वह 10, 11 जुलाई की रात्रि को अपनी टीवीएस स्पोर्ट्स बाइक से जेपी ग्रीन्स सोसायटी में आया। उसने अपनी बाइक सोसायटी से दूर खड़ी कर शराब पी और इसके बाद वह पैदल सोसाइटी में चोरी छुपे घुस गया। इसके बाद वह सोसाइटी में लगे सीसीटीवी कैमरों से बचकर पवन गोयल के घर पहुंचा और अलमारी का लॉकर तोड़कर उसमें रखी लाइसेंसी पिस्टल, नगदी, ज्वैलरी को लेकर दूसरे गेट से बाहर चला गया।

एडीसीपी ने बताया कि चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद जितेंद्र ने अपने भाई के साथ मिलकर चोरी के सामान को छुपाने तथा बेचने के लिए मदद ली। जितेंद्र के भाई योगेंद्र को पुलिस ने चोरी का माल छुपाने तथा बेचने में सहयोग करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के पास से चोरी किया गया सभी सामान बरामद कर लिया है।